संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -313 शनिवार ,14 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

तिहाड़ जेल से बाहर निकले अरविंद केजरीवाल

दिल्ली शराब घोटाले का पूरा मामला

दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर 2021 को एक्साइज पॉलिसी 2021-22 लागू की थी, जिसका उद्देश्य शराब की दुकानों को निजी हाथों में सौंपना था। सरकार का दावा था कि इससे राजस्व में वृद्धि होगी और माफिया का प्रभाव कम होगा। लेकिन पॉलिसी पर विवाद बढ़ने के बाद 28 जुलाई 2022 को इसे रद्द कर दिया गया। इस मामले की जांच में दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव नरेश कुमार की रिपोर्ट ने घोटाले का खुलासा किया। इसके बाद एलजी ने सीबीआई जांच की सिफारिश की और ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच शुरू की।

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2024(ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी है। देर शाम अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल के 3 नंबर बैरक से रिहा होकर बाहर निकले है। जेल के बाहर बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के समर्थक पहुंचे थे। केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी तिहाड़ जेल पहुंची हुई हैं। अरविंद केजरीवाल की रिहाई से पहले शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता तिहाड़ जेल के बाहर जश्न मनाए। यहां पर कार्यकर्ता केजरीवाल के समर्थन में और बीजेपी के खिलाफ नारे भी लगाए।

अरविंद केजीरवाल को सुप्रीम कोर्ट ने शराब घोटाले मामले पर जमानत मिल गई है। दिल्ली में सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर आम आदमी पार्ट कार्यकर्ताओं ने नाच-गाकर जश्न मना रहे हैं। साथ ही केजरीवाल के आवास के बाहर आप कार्यकर्ताओं ने पटाखे भी फोड़े हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के कुछ ही घंटों बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान शुक्रवार को राजधानी दिल्ली पहुंचे। सीएम मान ने आम आदमी पार्टी के नेताओं से मुलाकात भी की है। बता दें कि अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए 10 मई को अंतरिम जमानत दी गई थी और वह 2 जून को सरेंडर करने के बाद से जेल में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देते हुए कहा कि वह अपने कार्यालय या दिल्ली सचिवालय नहीं जा सकते हैं। किसी भी आधिकारिक फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते हैं, जब तक कि उपराज्यपाल की मंजूरी प्राप्त करने के लिए बिल्कुल आवश्यक न हो।

सुबह मिला सुप्रीम कोर्ट से जमानत का आदेश

शराब घोटाला मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने 170 दिनों बाद सीएम केजरीवाल को जमानत दे दी है. यह फैसला जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने सुनाया है.बता दें केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि श्बष्ठ ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया. जिसके बाद उन्हें आम चुनाव में प्रचार के लिए 10 मई को 21 दिन के लिए रिहा किया गया. 2 जून को उन्होंने तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया था. अगर केजरीवाल की 21 दिन की रिहाई को कम कर दिया जाए तो वो कुल 156 दिन जेल में रहे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब घोटाले के मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए केजरीवाल को इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय के मामले में भी जमानत मिल चुकी थी। सुप्रीम कोर्ट ने अब सीबीआई मामले में भी जमानत दी है, जो केजरीवाल के लिए एक बड़ी राहत है। इस जमानत के बाद उनके जेल से बाहर आने का रास्ता खुल गया है।

सुप्रीम कोर्ट की शर्तें

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देते समय कुछ सख्त शर्तें लागू की हैं। इन शर्तों के तहत

सीएम ऑफिस में प्रवेश पर रोकः-

केजरीवाल को अब दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।

फाइल साइन करने पर पाबंदीः-

वे सरकारी दस्तावेजों और फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं कर सकेंगे, जिससे उनकी सरकारी जिम्मेदारियों का निर्वहन प्रभावित होगा।

सार्वजनिक बयान पर रोकः-

उन्हें इस मामले पर कोई सार्वजनिक बयान या टिप्पणी करने की अनुमति नहीं होगी, जिससे मीडिया और जनता के बीच भ्रम फैलने की संभावना को कम किया जा सके।

गवाहों से संपर्क पर पाबंदी :-

केजरीवाल किसी भी गवाह से संपर्क नहीं कर सकते, जिससे गवाहों के साथ संभावित प्रभावित करने की गतिविधियाँ रोकी जा सकें।

कोर्ट ट्रायल में सहयोगः-

उन्हें ट्रायल की प्रक्रिया में पूरी तरह से सहयोग करना होगा और कोर्ट द्वारा बुलाए जाने पर उपस्थिति देना होगी।

10 लाख रुपए के मुचलकेः-

सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 10 लाख रुपए के दो मुचलके भरने का निर्देश दिया है, जो जमानत की शर्तों का एक हिस्सा है।

देश की संक्षिप्त खबरें

अतीक की 7 करोड़ की जमीन हुई कुर्क

प्रयागराज,13 सितम्बर 2024(ए)। माफिया अतीक एवं अशरफ की बेनामी संपत्तियों को कुर्क करने का सिलसिला जारी है। प्रयागराज पुलिस अब माफिया की सात करोड़ की जमीन कुर्क करने पहुंची। नैनी में स्थित यह जमीन माफिया अतीक ने अपने करीबी के घर सफाई का काम करने वाले शख्स के नाम बैनामा करा रखा था। जमीन का पता लगाने के बाद लंबी पूछताछ, दस्तावेजों की जांच के बाद अब इस बेशकीमती जमीन को कुर्क किया जा रहा है। एसीपी वरुण कुमार के नेतृत्व में तीन थानों की फोर्स माफिया की जमीन कुर्क करने पहुंची है। पुलिस जमीन कुर्क करने की दस्तावेजी कार्रवाई के बाद वहां बोर्ड लगा देगी। इसके लिए वहां रहने वाले गवाहों को भी बुलाया गया है।

मोदी सीजेआई के घर गए तो राहुल-अखिलेश को तकलीफ

प्रयागराज,13 सितम्बर 2024(ए)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रयागराज में कहा है कि मोदी चीफ जस्टिस ऑफ़ इंडिया के घर गणेश पूजन में गए तो टुकड़े-टुकड़े गैंग को अच्छा नहीं लगा। ये टोपी पहनने के लिए हामिद के यहां जाएंगे तो अच्छा लगता है। अगर आतंकवादियों के लिए रात में कोर्ट के दरवाजे खुलते हैं, तो केजरीवाल, अखिलेश यादव और राहुल गांधी को अच्छा लगेगा। मगर जज के यहां कोई गणेश पूजन के लिए जाए तो इन्हें तकलीफ होती है। उन्होंने अखिलेश यादव पर हमला बोला। कहा कि उन्हें क्रिमिनल में भी सिर्फ जाति दिखाई पड़ती है। उन्होंने गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय एथलीटों से की मुलाकात

मोदी ने इतिहास रचने वाले एथलीटों से की मुलाकात

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2024 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पैरालंपिक में इतिहास रचने वाले एथलीट्स से मुलाकात की। भारतीय पैरा एथलीटों ने पेरिस पैरालंपिक में रिकॉर्ड 29 पदक जीते थे, जिसमें सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य शामिल हैं। भारतीय दल मंगलवार को लौटा और प्रधानमंत्री मोदी ने उनका नई दिल्ली में अपने आवास पर अभिनंदन किया। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से पैरालंपिक में उनके अनुभव साझा करने को कहा। इस दौरान दो बार के पैरालम्पिक रजत पदक विजेता चक्काफेंक खिलाड़ी योगेश कथुनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा ''बाकी लोगों के लिए आप पीएम मतलब प्रधानमंत्री हैं लेकिन हम सभी पैरा एथलीटों के लिये आप पीएम यानी परम मित्र हैं।

पुरूषों की चक्काफेंक एफ56 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले कथुनिया ने कहा, ''प्रदर्शन में निरंतरता आपकी वजह से आई है। आपके द्वारा शुरू की गई योजनाओं की वजह से यह संभव हुआ। हर किसी के लिये पीएम का मतलब प्रधानमंत्री लेकिन हमारे लिये आप परम मित्र हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा,'' मैं इस पर गर्व महसूस करता हूं। मैं भी आप सभी के साथ मित्र की तरह काम करना चाहता हूं। लगातार दूसरे पैरालम्पिक में स्वर्ण जीतने वाले भालाफेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कहा कि तोक्यो में स्वर्ण जीतने के बाद प्रधानमंत्री मोदी से किया वादा निभाकर उन्हें अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा, ''यह मेरा लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। तब मैं तोक्यो से स्वर्ण जीतकर आया तो आपने मुझसे वादा लिया था कि ऐसे दो स्वर्ण और चाहिये। तो सर यह दूसरा स्वर्ण आपके लिये है।

आपसे बात करने के बाद मुझे प्रेरणा मिली : सुमित अंतिल

उन्होंने कहा, ''मैं थोड़ा नर्वस था लेकिन 20 अगस्त को आपसे बात करने के बाद मुझे प्रेरणा मिली। मैं अपनी टीम की ओर से आपको धन्यवाद देता हूं क्योंकि हमें लगा कि पदक के साथ लौटेंगे तो आपसे मिल सकेंगे, आपसे बात कर सकेंगे।÷ दृष्टिबाधित जूडो में भारत को पहली बार कांस्य पदक दिलाने वाले कपिल परमार ने कहा ,''मैने 2021 से अब तक 16 प्रतिस्पर्धायें खेली और कई पदक जीते। मेरा डर निकल गया था। कोचों को भी धन्यवाद दूंगा क्योंकि दृष्टिबाधित को संभालना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। उनके हाथ पकड़कर ही मुकाम तक पहुंचते हैं।

लोगों का दिव्यांगों के प्रति नजरिया बदला : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने पैरा एथलीटों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे लोगों का दिव्यांगों के प्रति नजरिया बदला है। उन्होंने कहा, ''ईश्वर ने आपको अतिरिक्त क्षमता दी है भले ही आपको कुछ शारीरिक परेशानी हो। आप जीत या हार से नहीं डरते। आप पर कोई बोझ नहीं है और यही आपका सबसे बड़ा गुण है। उन्होंने कहा, ''आपके जरिये मैं देश में सांस्कृतिक बदलाव देख रहा हूं । मैं लोगों के आपको देखने का नजरिया बदलना चाहता हूं। नजरिया बदल रहा है। आपके योगदान से समाज में बड़ा बदलाव आ रहा है। आपने सभी दिव्यांगों में यह भरोसा पैदा किया है कि वे किसी से कम नहीं है। पदक मायने नहीं रखता। आपको बहुत बधाई।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कोचों और सहयोगी स्टाफ की भी तारीफ करते हुए कहा, ''हर खेल में सहयोगी स्टाफ का काफी महत्व है जिन्हें बहुत मेहनत करनी पड़ती है। पैरा एथलीटों के साथ तो खास तौर पर। इसके लिये समर्पण चाहिये। पैरा एथलीटों के कोचों के पास असाधारण कौशल है क्योंकि आप सामान्य खिलाड़ियों को तो तकनीक सिखा सकते हैं लेकिन पैरा एथलीटों को जीवन का तरीका सिखाते हैं। पुरूषों की भालाफेंक एफ41 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले नवदीप सिंह की प्रधानमंत्री ने खास तौर पर तारीफ की। बौने कद के नवदीप ने भाला फेंकने वाले अपने बाजू पर प्रधानमंत्री का आटोग्राफ भी लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री को कैप पहनानी चाही तो प्रधानमंत्री मोदी नीचे बैठ गए और कहा कि 'दिखाई दे कि तुम मुझसे बड़े हो । मोदी को भुजाहीन पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने आटोग्राफ वाली टीशर्ट भी दी। प्रधानमंत्री ने कहा ,'' आज मुझे शीतल का आटोग्राफ मिल गया है।

हरियाणा चुनाव को लेकर बीजेपी ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

पीएम मोदी,शाह और योगी समेत 40 नाम शामिल

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2024(ए)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत कुल 40 नाम शामिल हैं।

लिस्ट में हेमा मालिनी और दिया कुमारी का भी नाम शामिल

इसके अलावा लिस्ट में हरियाणा के मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी, मोहन लाल बडोली, मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, योगी आदित्यनाथ, सतीश पूनिया, बिप्लव कुमार देव,सुरेंद्र सिंह नागर, पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल, हरदीप सिंह पुरी, सुधा यादव, भजन लाल शर्मा, मोहन यादव,पुष्कर सिंह धामी, हिमंता बिस्वा सरमा, राव इंद्रजीत सिंह, कृष्ण पाल गुर्जर, वसुंधरा राजे सिंधिया, स्मृति ईरानी, जयराम ठाकुर, रवनीत सिंह बिट्टू, अनुराग ठाकुर, दिया कुमारी, हेमा मालिनी, किरन चौधरी, धर्मवीर सिंह, नवीन जिंदल, अशोक तंवर, मनोज तिवारी, संजीव बाल्यान, कुलदीप विश्नोई, राम चंदेर जनगरा, बबिता फोगाट के नाम शामिल हैं।

हरियाणा में 5 अक्टूबर को डाले जाएंगे वोट

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए एक ही चरण में 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। 8 अक्टूबर को मतों की गणना होगी। हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर 2024 को समाप्त होने वाला है। 1 नवंबर 1966 को पंजाब से अलग होकर राज्य का गठन हुआ था। राज्य में विधानसभा की 90 सीटें हैं। बहुमत के लिए किसी भी राजनीतिक दल को 46 विधायकों के समर्थन की जरूरत होगी। राज्य की 90 सीटों में से 17 सीटें अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित हैं।

नेशनल गेम्स घोटाले की सीबीआई फिर से करेगी जांच

कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट खारिज की

रांची,13 सितम्बर 2024 (ए)। झारखंड में वर्ष 2011 में आयोजित हुए 34वें नेशनल गेम्स घोटाले में सीबीआई की ओर से दाखिल क्लोजर रिपोर्ट को स्पेशल कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया है। कोर्ट ने इस मामले की फिर से जांच करने का आदेश दिया है। यह घोटाला 28 करोड़ 38 लाख रुपए का बताया जाता है। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने अप्रैल 2022 में इस घोटाले की जांच शुरू की थी। उसने जांच पूरी करने के बाद 7 फरवरी 2024 को ठोस साक्ष्य का अभाव दिखाते हुए क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। सीबीआई ने कहा था कि घोटाले का कोई पुख्ता आधार नहीं है। इसलिए इस केस को बंद किया जाए।

सोशल एक्टिविस्ट पंकज यादव और सूर्य सिंह बेसरा ने इस क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ प्रोटेस्ट याचिका फाइल की। इस पर सुनवाई के बाद सीबीआई की स्पेशल कोर्ट के जज पीके शर्मा ने फिर से जांच का आदेश दिया है।

अंबरनाथ में केमिकल फैक्ट्री से गैस लीक

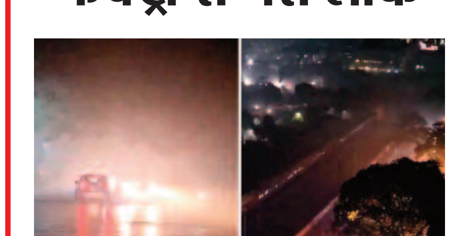

अंबरनाथ(महाराष्ट्र),13 सितम्बर 2024 (ए)। महाराष्ट्र के अंबरनाथ शहर में एक केमिकल फैक्ट्री से गैस रिसाव की खबर से हड़कंप मच गया है। गैस ने पूरे शहर को अपनी चपेट में ले लिया है, जिससे धुआं पूरे क्षेत्र में फैल गया है। धुएं के कारण दृश्यता कम हो गई है और लोगों को आंखों व गले में जलन महसूस हो रही है।इस खतरनाक गैस के रिसाव ने अंबरनाथ के रेलवे ट्रैक तक धुएं फैल गया है। गैस लीक होने के तुरंत बाद अधिकारियों ने स्थिति पर काबू पाने के लिए टीमों को तैनात कर दिया। ऐसे में किसी भी आपात स्थिति में शहर से बाहर निकलने की संभावना सीमित हो गई है।

घटना के बाद फैक्ट्री के आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को घरों में ही रहने की सलाह दी गई है। धुएं से बचने के लिए लोग अपने मुंह और नाक को ढक कर चल रहे हैं। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और गैस रिसाव के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रहा है।

सीबीआई को मिली नार्को टेस्ट की इजाजत

» अब संजय राय उगलेगा रेप-मर्डर केस का राज

कोलकाता,13 सितम्बर 2024 (ए)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या मामले में आरोपी संजय राय का नार्को टेस्ट होगा। सीबीआई जल्द ही आरोपी संजय राय का नार्को टेस्ट कराएगी। इसे लेकर कोर्ट से भी मंजूरी मिल गई है। दरअसल सीबीआई ने आरोपी संजय राय का नार्को टेस्ट कराने की अनुमति के लिए सीबीआई ने पहले ही सियालदह कोर्ट में आवेदन किया था। अदालत ने आज संजय राय के नार्को टेस्ट कराने की अनुमति दे दी है।

टेस्ट के जरिए सीबीआई यह देखना चाहती है कि क्या नार्को और पॉलीग्राफ में आरोपी ने जो कहा उसमें कोई मेल है या नहीं। अधिकारी इस घटना में संजय की संलिप्तता के बारे में आश्वस्त होना चाहते हैं। एम्स और विशेषज्ञों की राय आने के बाद ही इसका विश्लेषण किया जाएगा।

क्या है नार्को टेस्ट

नार्को टेस्ट में किसी व्यक्ति को कुछ दवाएं दी जाती हैं, जिसके बाद व्यक्ति को आंशिक रूप से अचेत अवस्था में चला जाता है। इसके बाद व्यक्ति से छिपी हुई जानकारी निकलवाने की कोशिश की जाती है। यह प्रक्रिया उन लोगों पर आजमाई जाती है, जो नियमित पूछताछ के दौरान सहयोग करने के इच्छुक नहीं होते है। जटिल मामलों को सुलझाने और महत्वपूर्ण सुरागों को उजागर करने के लिए नार्कोएनालिसिस टेस्ट किया जाता है।

दांत के लिए थे नमूने

इससे पहले सीबीआई के अधिकारियों ने संजय रॉय के दांतों के निशान के नमूने लिए थे। इस दौरान अधिकारियों ने कहा था कि महिला के शरीर पर काटने के निशान मिले थे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसका जिक्र है। हम आरोपी के दांतों के निशान से उनका मिलान करना चाहते हैं।

संपादकीय

वीभत्स घटना पर राजनीतिक दिखावा

गंभीर और मुश्किल सवालों से उलझने का साहस ना हो, तो फिर हर वीभत्स घटना पर राजनीतिक दिखावा ही एकमात्र रास्ता बच जाता है। आरजी कर अस्पताल बलात्कार कांड के बाद यही रास्ता ममता बनर्जी की सरकार ने अपनाया है। ममता बनर्जी ने इसे ऐतिहासिक और मॉडल विधेयक कहा है। पश्चिम बंगाल की विधानसभा ने बलात्कार और हत्या के दोषियों को मृत्युदंड का प्रावधान करते हुए इस विधेयक को पारित किया है। इसमें यह भी प्रावधान है कि पुलिस को ऐसे मामलों की जांच पूरी कर 21 दिन के अंदर अपनी पहली रिपोर्ट अदालत में पेश करनी होगी, जिससे मुजरिमों को शीघ्र एवं कठोरतम सजा दिलाना संभव हो जाएगा। इस तरह आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के मामले में सियासी तौर पर बुरी तरह घिर गई राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अपने बचाव का एक राजनीतिक कदम उठाया है। दांव कारगर होगा या नहीं, यह तो बाद में जाहिर होगा। लेकिन जो कदम उठाया गया है, वह सिरे से समस्याग्रस्त है। इससे जाहिर हुआ है कि देश में इतना विवेकहीन माहौल बना हुआ है कि इसके बीच गंभीर मसलों पर भी अतीत से सीख लेने और तार्किक विचार-विमर्श में जाने की गुंजाइश बेहद सिकुड़ चुकी है। निर्भया कांड के बाद देश में ऐसे अपराधों के लिए सजा को सख्त बनाया गया था। उसके बाद बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए और भी सख्त पोक्सो जैसा कानून बना। उन अधिनियमों का तजुर्बा क्या है? क्या उनसे जुर्म पर काबू पाने में तनिक भी मदद मिली? ऐसा ना होना दो प्रमुख वजहों से हुआ है। एक तो अपने देश में कानून के मुताबिक सजा सुनिश्चित करने वाली आपराधिक न्याय व्यवस्था बेहद लचर है, इसलिए अच्छे इरादों के बावजूद ठोस परिणाम हासिल नहीं होते। दूसरे, जिन समस्याओं की जड़ें समाज के आर्थिक और सांस्कृतिक ढांचे में हों, उनका समाधान महज कानून बना कर नहीं किया जा सकता। लेकिन इन गंभीर और मुश्किल सवालों से उलझने का साहस ना हो, तो फिर हर वीभत्स घटना पर राजनीतिक दिखावा ही एकमात्र रास्ता बच जाता है। यही रास्ता ममता बनर्जी की सरकार ने अपनाया है। चूंकि विपक्ष-खासकर भारतीय जनता पार्टी के लिए भी कोलकाता की घटना सिर्फ राजनीतिक लाभ हासिल करने का जरिया है, अतः उसके पास भी कोई सार्थक सुझाव नहीं है। इसीलिए पार्टी ने विधेयक का समर्थन किया है।

14 सितम्बर हिन्दी दिवस पर विशेष

पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में जोड़ती है हिन्दी भाषा

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

किसी भी देश की भाषा और संस्कृति उस देश में लोगों को लोगों से जोड़े रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हिन्दी और देवनागरी के मानकीकरण की दिशा में अनेक क्षेत्रों में प्रयास हुये हैं। हिन्दी भारत की सम्पर्क भाषा भी हैं। अतः हम कह सकते है की हिन्दी एक समृद्ध भाषा हैं। भारत की राष्ट्रीय एकता को बनाये रखने में हिन्दी भाषा का बहुत बड़ा योगदान हैं।

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है। बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है। जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। जिन्होंने हिंदी, पंजाबी,बंगाली और मारवाड़ी सहित कई भाषाओं में अपना योगदान दिया था।

भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाते लगा है जो हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाता है। पिछले 71 सालों से हम प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस मनाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी मनायेगें। यदि हम हिंदी भाषा के विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ सालों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है और दिन-प्रतिदिन इसमें और तेजी आ रही है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। संस्कृत भारत की सबसे प्राचीन भाषा है जिसे देवभाषा भी कहा जाता है। माना जाता है कि हिंदी का जन्म भी संस्कृत भाषा से हुआ है। भारत में धर्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। इसीलिए हिंदी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है।

अंग्रेजी व चीनी भाषा मंदारिन के बाद हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली तीसरी सबसे बड़ी भाषा है। नेपाल, पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी को हिंदी बोलना, लिखना, पढना आता है। बांग्लादेश, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम,गुयाना,त्रिनिदाद जैसे देश की सरकारे तो हिंदी भाषियों द्वारा ही चलायी जा रही हैं। पूरी दुनिया में हिंदी भाषियों की संख्या करीबन एक सौ करोड़ से अधिक है।

हिन्दी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, और दिल्ली राज्यों की राजभाषा भी है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में लोगों से सम्पर्क स्थापित करनें का अभिनव कार्य किया है। लेकिन विश्व भाषा बनने के लिए हिन्दी को अब भी संयुक्त राष्ट्र के कुल सदस्यों के दो तिहाई देशों के समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। हम संभावनाएं जता सकते हैं कि शीघ्र ही हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा में शामिल कर लिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के दौरान अधिकतर अपना सम्बोधन हिन्दी भाषा में ही देते हैं। जिससे हिन्दी भाषा का महत्व विदेशी धरती पर भी बढ़ने लगा है।

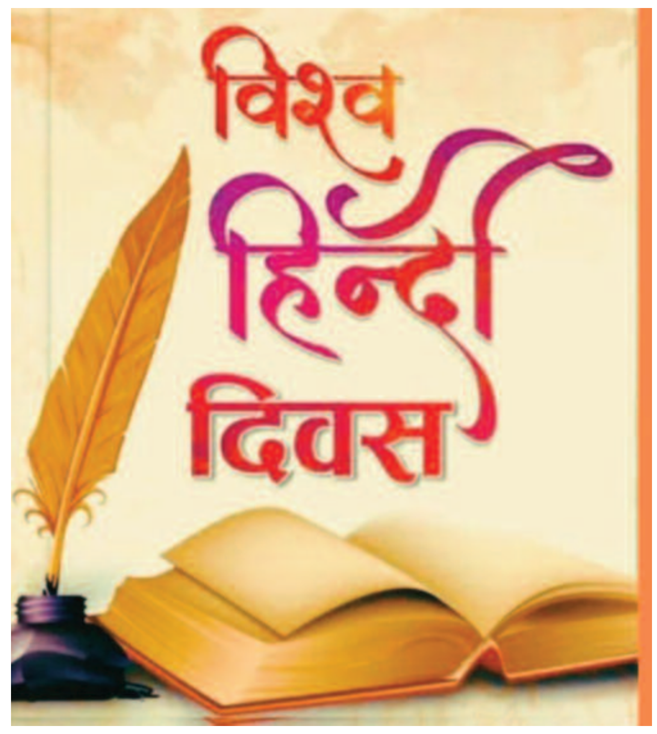

हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10 हजार मूल शब्द हैं। वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से भी अधिक है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन,समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है। भारत की मातृ भाषा हिन्दी को सम्मान देने के लिये प्रति वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है।

हिन्दी ने भाषा, व्याकरण, साहित्य, कला, संगीत के सभी माध्यमों में अपनी उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं वर्चस्व कायम किया है। हिन्दी की यह स्थिति हिन्दी भाषियों और हिन्दी समाज की देन है। लेकिन हिन्दी भाषा समाज का एक तबका हिन्दी की दुर्गति के लिए भी जिम्मेदार है। अंग्रेजी बोलने वाला ज्यादा ज्ञानी और बुद्धिजीवी होता है। यह धारणा हिन्दी भाषियों में हीन भावना लाती है। जिंदगी में सफलता पाने के लिये हर कोई अंग्रेजी भाषा को बोलना और सीखना चाहता है। हिन्दी भाषी लोगों को इस हीन भावना से उबरना होगा, क्योंकि मौलिक विचार मातृभाषा में ही आते हैं। शिक्षा का माध्यम भी मातृभाषा होनी चाहिए। शिक्षा विचार करना सिखाती है और मौलिक विचार उसी भाषा में हो सकता है जिस भाषा में आदमी जीता है। हमें अहसास होना चाहिये कि हिन्दी दुनिया की किसी भी भाषा से कमजोर नहीं है। बीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में हिन्दी का अन्तरराष्ट्रीय विकास बहुत तेजी से हुआ है। विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों तथा सैंकड़ों छोटे-बड़े केन्द्रों में विश्वविद्यालय स्तर से लेकर शोध के स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था हुई है। विदेशों से हिन्दी में दर्जनों पत्र-पत्रिकाएं नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं। हिन्दी भाषा और इसमें निहित भारत की सांस्कृतिक धरोहर सुदृढ और समृद्ध है। इसके विकास की गति बहुत तेज है।

आदिकाल से अब तक हिन्दी के आचार्यों, सन्तों, कवियों, विद्वानों, लेखकों एवं हिन्दी-प्रेमियों ने अपने ग्रन्थों, रचनाओं से हिन्दी को समृध्द किया है। परन्तु हमारा भी कर्तव्य है कि हम अपने विचारों, भावों एवं मतों को विविध विधाओं के माध्यम से हिन्दी में अभिव्यक्त करें एवं इसकी समृध्दि में अपना योगदान दें। कोई भी भाषा तब और भी समृध्द मानी जाती है जब उसका साहित्य भी समृध्द हो।

हिंदी भाषा एक दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए बहुत आसान और सरल माध्यम प्रदान करती है। यह प्रेम, मिलन और सौहार्द की भाषा है। हिन्दी विविध भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह कैसी विडम्बना है कि जिस भाषा को कश्मीर से कन्याकुमारी तक सारे भारत में समझा जाता हो। उस भाषा के प्रति आज भी इतनी उपेक्षा व अवज्ञा क्यों ? प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिन्दी भाषा को आसानी से बोल-समझ लेता है। इसलिए इसे सामान्य जनता की भाषा अर्थात जनभाषा कहा गया है। देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के एक साथ विकास के कारण हिन्दी ने कहीं ना कहीं अपना महत्ता खो दी है। आज हिन्दी भाषा में अंग्रेजी शब्दों का प्रचलन तेजी से बढ़ने लगा है। बहुत से बड़े समाचार पत्रों में भी अंग्रेजी मिश्रित हिन्दी का उपयोग किया जाने लगा है। जो हिन्दी भाषा के लिये शुभ संकेत नहीं हैं। रही सही कसर सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है। जहां सॉफ्टवेयर की मदद से रूपांतर कर अंग्रेजी से हिन्दी भाषा बनायी जाती है। जिसमें ना मात्रा का ख्याल रहता है और ना ही शुद्ध वर्तनी का। वर्तमान समय में हिन्दी भाषा के समाचार पत्र व पत्रिकायें धड़ाधड़ बंद हो रहें हैं।

हिन्दी दिवस के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिये की हम पूरे मनोयोग से हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में अपना निस्वार्थ सहयोग प्रदान कर हिन्दी भाषा के बल पर भारत को फिर से विश्व गुरु बनवाने का सकारात्मक प्रयास करेंगें। अब तो कम्प्यूटर पर भी हिन्दी भाषा में सब काम होने लगे हैं। कम्प्यूटर पर हिन्दी भाषा के अनेको सॉफ्टवेयर मौजूद हैं जिनकी सहायता से हम आसानी से कार्य कर सकते हैं।

गुणगान हिंदी की

अभियन्ता प्रिंस कुमार
बिहार

हैं,हिंद के हमसभी वासी,
हमारी पहचान है , हिंदी 2
भाषाओं में एकता का नाम है हिंदी
भारतीय सभ्यता संस्कृति की उत्थान है
हैं, हिन्द के हम सभी वासी
हमारी पहचान है ,हिन्दी...... ।
सूर्य सा प्रभात है हिंदी
चन्द्रमा सी शीतल रात है हिंदी
भाषाओं में साथ है हिंदी
भाषाओं की विश्वास है हिंदी
हैं, हिन्द के हम सभी वासी
हमारी पहचान है ,हिन्दी...... ।
हमारा अभिमान है हिंदी
देश का सम्मान है हिंदी
संवेदनाओं की जान है हिंदी
दिलों में दैदिप्तमान है हिंदी
हैं, हिन्द के हम सभी वासी
हमारी पहचान है ,हिन्दी...... ।
हर जन का स्वभिमान है हिंदी
देश का गुणगान है हिंदी
विदेशो में भी शोभायमान है हिंदी
हिमालय की शान है हिंदी
हैं, हिन्द के हम सभी वासी
हमारी पहचान है ,हिन्दी...... ।
भारत के कण कण में विद्धमान है हिन्दी
जीने का जीवन नाम है हिंदी
हैं, हिन्द के हम सभी वासी
हमारी पहचान है ,हिन्दी...... ।

हमें भी हिसाब दो...

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

हमारे देश की राजनीति आजकल अजीब मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है! किसी भी दल का कोई भी आदमी दूसरे दल के बारे में कुछ भी कहने में स्वतंत्र है! कहने को तो देश संविधान के अनुसार चल रहा है लेकिन संसद के अंदर तथा संसद के बाहर जिस तरह हमारे जन प्रतिनिधि अमर्यादित तथा अजीबो गरीब भाषा का इस्तेमाल करते हैं उसे देखकर तो हम जैसे पुरानी संस्कृति के आदमी दांतों तले उंगली दबाते हैं। समय-समय पर भाजपा द्वारा कांग्रेस को अपने पिछले 70 सालों के प्रशासन का हिसाब देने की बात कही जाती है। इसके प्रत्युत्तर में कांग्रेस के लोग कहते हैं कि उनके शासन में डैम बने, सार्वजनिक क्षेत्र में आधारभूत तथा मौलिक उद्योगों की स्थापना हुई, आज़ादी के बाद से लेकर अब तक विदेशों के साथ जो मधुर संबंध है वह कांग्रेस प्रशासन के कारण ही हुए हैं आदि आदि। इसके बदले कांग्रेस वाले भाजपा से पूछते हैं कि आप भी अपने 10 साल के प्रशासन का हिसाब दो, भाजपा वाले जवाब देते हैं कि उनके प्रशासन में राम मंदिर बनाया गया, जम्मू कश्मीर में धारा 370 समाप्त की गई, जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को नियंत्रित करने में सफलता मिली, देश में इतना आर्थिक विकास हुआ कि हमारी अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है और जल्दी ही तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी,हमारे यहां जी 20 सम्मेलन आयोजित किया गया, आज भारत का नाम संसार के अनेक देशों में सम्मान के साथ लिया जाता है। इस तरह भाजपा तथा कांग्रेस एक दूसरे के शासन काल का हिसाब मांगते रहते हैं। अपनी प्रशंसा तथा दूसरे पक्ष की आलोचना करते हैं। और मतदाता हैं वह सभी राजनीतिक दलों से उनके शासनकाल का हिसाब किताब मांगते हैं। पूछते हैं...आपने हमारे लिए क्या किया? आपके शासनकाल में भ्रष्टाचार, कीमतों में वृद्धि, गरीबी, भुखमरी, चिकित्सा सुविधाओं का अभाव आदि अपनी चरम सीमा पर थे। आप लोग हमारी समस्याओं को हल करने के बदले में एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे रहे, कुर्सी पर कब्जा करने के अलावा आपको कुछ याद ही नहीं आया। चुनाव के समय आप हमारे साथ लोक लुभावने वायदे करते हो लेकिन हमारी मूल समस्याएं जस की तस हैं। आप अपनी तिजोरिया भरने में लगे रहे, सरकारी खर्चे पर विदेशी दौरे करते रहे। हमारे करो के द्वारा संसद तथा सरकार चलती है, लेकिन संसद में आप लोग जो कर्तव्य पूरा करने के नाम पर मर्यादा का उल्लंघन करते हो,असंवैधानिक भाषा का प्रयोग करते हो,वॉक आउट करते हो उससे आपको संसद में भेजने के लिए हमें शर्म आती है। आप हमारी खून पसीने की कमाई में से करो के तौर पर प्राप्त आमदनी का जो दुरुपयोग करते हो उसका हमे हिसाब दो।

मैं इस देश की महिला हूं। पुरुष प्रधान समाज में मैं भी आपसे हिसाब मांगती हूं। आप मुझे पैदा होने से पहले कन्या भ्रूण हत्या के द्वारा पैदा होने से क्यों रोकते हो? मुझे जन्म लेने का अधिकार क्यों नहीं? पुत्र के पैदा होने पर तो पिता मूंछ को मरोड़ी देकर गर्व महसूस करता है जबकि लड़की पैदा होने पर घरों में कई कई दिनों तक मातम मनाया जाता है। मां-बाप खुद ही बेटे और बेटी के पालन पोषण में भेदभाव करते हैं। क्यों? मुझे भी इसका हिसाब दो। जैसे-जैसे मैं बड़ी होती हूं बाग मे खिलने वाले फूल गुलाब की तरह हर कोई मुझे तोड़ लेना चाहता है, आसमान में उड़ने वाली पतंग की तरह मुझे काट लेना चाहता है,क्यों? मुझे इसका हिसाब दो! जब मेरा विवाह होता है तो लड़के वाले मेरी बोली लगाते हैं! कितना दहेज दिया जाएगा, लड़के वालों की तरफ से कितने बाराती आएंगे, विवाह शादी बैंक्विट हॉल में ठाठ बाठ तरीके से होनी चाहिए, मेहमानों की मिलनी पर लिफाफे में अच्छी खासी धनराशि होनी चाहिए आदि आदि बातें मेरे दिल को छलनी कर देती है। इतना ही नहीं, मेरे घर वालों के द्वारा सब कुछ कर दिए जाने के बाद भी ससुराल में मेरे साथ इस तरह का व्यवहार नहीं किया जाता जिस तरह लड़के वाले अपनी लड़की के अपने ससुराल में मान सम्मान वाले तरीके से किए जाने की आशा करते हैं।। मैं सब कुछ छोड़कर ससुराल में आई हूं, मुझे कभी अपना नहीं समझा जाता। मायके वाले कहते हैं कि ससुराल ही तेरा घर है और ससुराल वाले कहते हैं तेरा घर तो मायका है। अब आप ही बताओ मेरा घर कौन सा है। मैं समाज से हिसाब मांगती हूं। मेरे विवाह से लेकर मेरी मृत्यु तक मेरा तथा मेरे घर वालों का शोषण होता है। मेरे संतान हो तो मेरे घर वालों का यह फर्ज बनता है कि बच्चे के लिए कपड़े तथा पैसे दें, मेरे ससुराल में कोई शादी हो तो मेरे घर वालों का यह फर्ज बनता है कि अधिक से अधिक योगदान दें, मेरी मृत्यु हो तो भी सारा खर्च मेरे घर वाले ही उठाएं। मुझे मेरे पैदा होने की इस प्रकार की सजा क्यों दी जाती है, मैं भी समाज से हिसाब मांगती हूं।

मैं एक पिता हूं। परिवार के लिए किसी न किसी प्रकार से कमा कर लाना, परिवार के सदस्यों की देखभाल करना,बच्चों को पढाना, उनकी नौकरी का प्रबंध करना, उनका घर बार बसाना यह मेरी जिम्मेवारी है। मेरे घर वालों को इस बात की कोई चिंता फिकर नहीं है कि जब मैं घर की जिम्मेवारियां पूरी करने के लिए बाहर कमाने जाता हूं तो मुझे कठिनाइयां तथा अपमान का सामना करना पड़ता है। इस सारे के बावजूद भी घर के बच्चे मुझे यह कहने में कोई शर्म महसूस नहीं करते कि,,, आपने हमारे लिए किया ही क्या है? जब मैं कहता हूं कि मैंने आपको पाल पोस कर बड़ा किया है, तो बच्चे कहते हैं यह तो आपका फर्ज था। अगर आप हमारी देखभाल नहीं कर सकते थे तो हमें पैदा ही क्यों किया। यह है इनाम जो मुझे अपने परिवार के सदस्यों की भलाई के लिए गर्मी, सर्दी, बरसात आदि के मौसम में उनके लिए कमाने के लिए मिलता है। और जब मैं बूढ़ा हो जाता हू तो मैं घर वालों के लिए एक बोझ बन जाता हूं। कोई मेरा कहना नहीं मानता, कोई मुझे इज्जत नहीं देता, समय पर खाना नहीं मिलता, कोई मेरे से पूछ कर कोई काम नहीं करता, बीमार होने पर मुझे एक कोने में बिठा दिया जाता है और बहुत बार तो घर वाले बुजुर्ग को उसकी धन संपत्ति पर कब्जा करके वृद्ध आश्रम धकेल लेते हैं और फिर कभी उसका हाल-चाल पूछने नहीं जाते। ऐसी स्थिति में परिवार के प्रति ईमानदारी से निभाए गए कर्तव्य के बदले में मुझे भी हिसाब चाहिए। क्या कोई मुझे न्याय दिलवाने में मेरी मदद करेगा। मैं आपके जवाब की इंतजार कर रहा हूं। जिन-जिन से हिसाब मांगा गया है उन्हें हिसाब तो देना पड़ेगा अन्यथा एक दिन ऐसा आ सकता है जब हिसाब मांगने वाले हिसाब देने वालों के पीछे ऐसे पड़ जाए जैसे शहद की मक्खियों को छेड़ने के बाद मक्खियों काटने के लिए पीछा नहीं छोड़ती।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगा बुज़ुर्गों के निःशुल्क इलाज का फैसला

प्रो. महेश चंद गुप्ता
पटना,
बिहार

केन्द्र सरकार ने 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों का निशुल्क इलाज कराने का जो फैसला लिया है, वह एक दूरगामी फैसला है, जिसकी सराहना की जानी चाहिए। यह एक ऐसा फैसला है, जिसकी वास्तव में जरूरत थी और अगर इसका यथार्थ के धरातल पर सुचारू क्रियान्वयन हो जाता है तो यह निर्णय बुजुर्गों के स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को नई दिशा देने वाला साबित होगा। यह निर्णय हर लिहाज से महत्वपूर्ण है और इससे बुजुर्गों के प्रति संवेदनशील सोच के बारे में पता चलता है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के घोषणा पत्र में इस बारे में वादा किया था, जिसे पूरा कर दिया गया है।

सरकार ने इस फैसले के तहत 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों को सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा देना तय किया है। इसके तहत हर साल पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त में कराया जा सकेगा। माना जा रहा है कि इस योजना के दायरे में देश के करीब साढ़े चार करोड़ परिवार शामिल होंगे और छह करोड़ बुजुर्ग सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। इस फैसले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्ग, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो, उन्हें इस योजना के दायरे में लाया गया है। जैसा कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि शुरुआत में इस योजना के लिए 3,437 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। भविष्य में जैसे-जैसे लोग इस योजना से जुड़ेंगे, इसका दायरा बढ़ाया जाएगा। यह भी सराहनीय है कि जो परिवार पहले से आयुष्मान योजना के दायरे में हैं, उन परिवारों के 70 साल पार के बुजुर्गों के लिए हर साल 5 लाख रुपए तक का एडिशनल कवर मिलेगा। इसका इस्तेमाल परिवार के अन्य लोग नहीं कर सकेंगे।

कई लोगों को यह फैसला मुफ्त की रेवड़ी लग सकता है लेकिन भारत में बुजुर्गों की तेजी से बढ़ रही जनसंख्या के दृष्टिगत यह फैसला सचमुच कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के अनुकूल है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष और उससे अधिक आयु) की जनसंख्या 10.38 करोड़ है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग द्वारा गठित जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट के अनुसार 2026 में देश में 60 वर्ष से ऊपर वाले वरिष्ठ नागरिकों की अनुमानित जनसंख्या 17.32 करोड़ होने की उम्मीद है। जिस प्रकार बुजुर्गों की जनसंख्या बढ़ रही है, उसके साथ-साथ उनकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें भी बढ़ रही हैं। हमारे समाज में बुजुर्गों की उपेक्षा के मामले सामने आते रहते हैं। देश में वृद्धाश्रमों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, उससे भी घरों में बुजुर्गों की दशा का संकेत मिलता है। भारतीय आबादी के बुजुर्ग होने से आने वाली समस्याओं और उनके निदान व समाधान को ध्यान में रखकर संयुक्त राष्ट जनसंख्या कोष व भारत इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पापुलेशन साइंसेज ने पिछले साल जो इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 जारी की है, उसके मुताबिक आज का युवा भारत आने वाले दशकों में तेजी से वृद्ध होते समाज में बदल जाएगा। 2050 तक हर पांच में से एक शख्स बुजुर्ग होगा। सदी के अंत में कुल आबादी में 36 फीसदी वृद्ध होंगे, जो अभी महज 10.1 फीसदी हैं। देश में बुजुर्गों की आबादी बढने का सिलसिला 2010 से शुरू हुआ है। मौजूदा चलन के मुताबिक तकरीबन 15 साल में 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के नागरिकों की संख्या दोगुनी हो रही है।

इससे हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता कि बहुत से बुजुर्गों के पास इलाज के लिए आर्थिक संसाधन नहीं होते, जिससे वे सही समय पर और गुणवत्तापूर्ण इलाज से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में, सरकार का उनके मुफ्त इलाज की दिशा में बढ़ाए इस कदम को एक परिहार्य पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकार के इस फैसले से देश के वंचित, शोषित, दलित वर्ग और ग्रामीण परिवेश के बुजुर्गों को सर्वाधिक राहत मिलेगी। हमारे देश में इन वर्गों के अधिकांश बुजुर्गों की आय सीमित अथवा नगण्य होती है और उनके लिए बीमार होने पर इलाज करा पाना एक बड़ी चुनौती व चिंता का विषय होता है। आर्थिक रूप से परेशान बुजुर्गों को जब शारीरिक व्याधियां घेरती हैं तो मानसिक समस्याएं भी दस्तक देने लगती हैं। कई बुजुर्ग तो दूसरों को बीमार देखकर असहज और चिंतित महसूस करते हैं कि अगर वह बीमार पड़ गए तो इलाज कैसे हो पाएगा? यकीनन, मुफ्त इलाज की इस व्यवस्था से उन्हें न केवल इस चिंता से मुक्त करने में मदद मिलेगी, बल्कि इससे उनके खुश रहने का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

यह बात प्रमाणित है कि जब बुजुर्गों को स्वास्थ्य सेवाएं सहजता से सुलभ होती हैं तो वे समय पर अपना इलाज करवा सकते हैं। इससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार होता है और उम्र संबंधी बीमारियों की गंभीरता को कम करने में भी मदद मिलती है।

यह निर्णय सामाजिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सरकार यह सुनिश्चित करना चाह रही है कि आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों को भी समान स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले, जो उनके सामाजिक अधिकारों का हिस्सा है। इसे फैसले के कई लाभ और भी होंगे। जब निशुल्क उपचार होगा तो परिवार में बुजुर्गों को बोझ नहीं माना जाएगा।

यह योजना निश्चित रूप से सराहनीय है लेकिन इसका सही एवं सुचारू क्रियान्वयन हो, इसे सुनिश्चित करना भी सरकार की बड़ी जिम्मेदारी होगी। इस योजना के कारण सरकारी अस्पतालों पर काम का दबाव बढना स्वाभाविक है। हमारे दूरदराज के अस्पतालों में संसाधनों एवं डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ की कमी इसमें बाधक हो सकती है। इसके लिए न केवल डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ के रिक्त पद भरने होंगे बल्कि अन्य जरूरी संसाधन भी जुटाने होंगे। योजना के तहत इलाज कराने आए बुजुर्गों को अस्पतालों में प्राथमिकता के आधार पर देखा जाए, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए क्योंकि बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए लंबी कतारों में घंटों तक बारी आने का इंतजार बहुत कष्टदायक होता है। इससे वह इलाज के प्रति विमुख भी होते हैं।

इसी के साथ-साथ एक प्रभावी प्रशासनिक ढांचे को भी विकसित करना जरूरी होगा, जो इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित बना सके। सरकारी अस्पतालों के ढांचे में सुधार, जरूरी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरुआत और संसाधनों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के निशुल्क इलाज का फैसला एक सामाजिक और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सरकार अगर इसकी आयु सीमा को घटा कर साठ वर्ष कर दे तो यह और ज्यादा प्रभावकारी होगा क्योंकि रिटायरमेंट की उम्र 58 या 60 साल ही है। सरकार को इस योजना में भी इसी उम्र को आधार मानना चाहिए। यह फैसला न केवल बुजुर्गों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा, बल्कि समाज को बुजुर्गों के प्रति और न्यायपूर्ण बनाने में भी योगदान देगा। आवश्यकता इसके सफल क्रियान्वयन के लिए एक समुचित योजना, संसाधनों के प्रबंधन और प्रशासनिक सुधार की है। अगर यह निर्णय सही तरीके से यथार्थ के धरातल पर लागू हो पाता तो यह हमारे समाज के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि साबित हो सकता है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अस्तित्व अपना

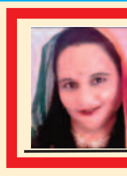

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा,
राजस्थान

नदी बह तो निकलती है
अपनी जड़ो को छोड़कर
लेकिन
उम्रभर याद रहती हैं
पहाड़ पर की
अठखेलियां
और
जब विलीन होती है
सागर में
तो भी एक बूंद बन
कायम रखती है
अस्तित्व अपना ।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

यथार्थ

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

घट चाहे माटी का हो,
मोती से जड़ति या हो ,
मदिरा के पात्र से तो,
दुर्गंध ही आयेगी।
कितनी प्रशंसा करो,
मीठे शब्द वाणी भरो ,
छद्म छवि कभी यहाँ,छुप नहीं पायेगी।
मन छल द्वेष गढ़े, पीठ पीछे दोष मढ़े,
प्रेम कड़ी एक दिन,
टूट ही तो जायेगी।
करो मत बुरा कर्म,
अपनाओ सत्य धर्म,
आत्मा को परमात्मा से,
मिलन करायेगी।।
प्रतिदिन राम जप,
नित ध्यान योग तप।
जीवन जटिल बाधा,
त्वरित मिटायेगी।
उपजे आनंद सुख,
हृदय से मिटे दुख,
त्याग भक्तिभाव से ही,
मुक्ति मिल पाएगी।।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

रामानुजगंज डकैती:झारखंड के कुख्यात बुकिया गिरोह का सरगना है मोनू...फोटो हुआ जारी...ज्वेलर्स संचालक की चली जाती जान

बलरामपुर जिले के रामानुजगंज स्थित राजेश ज्वेलर्स से 6 करोड़ के सोने का लूट का मामला,सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की हुई पहचान

रंका में लावारिस मिली डकैतों की बाइक...आरोपियों की तलाश जारी...

- संवाददाता -
बलरामपुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रामानुजगंज में राजेश ज्वेलर्स में 11 सितंबर को दिनदहाड़े कट्टे व रिवॉल्वर की नोक पर 6 करोड़ के सोने की डकैती को अंजाम दिया गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर डकैती के मास्टर माइंड की पहचान पुलिस ने कर ली है। डकैतों का यह गिरोह झारखंड के नामचीन बुकिया गैंग है। गिरोह का सरगना मोनू सोनी उर्फ राज सोनी उर्फ बुकिंग है। वह डाल्टेनगंज के चैनपुर गांव का निवासी है। पुलिस ने मोनू सोनी उर्फ राज सोनी उर्फ बुकिंग का फोटो जारी कर दिया है।

11 सितंबर की दिनदहाड़े रामानुजगंज स्थित राजेश ज्वेलर्स में 15 मिनट के भीतर बुकिया गिरोह के सदस्यों ने 6 करोड़ के सोने की डकैती की थी। इसके बाद बाइक से फरार हो गए थे। दुकान सहित भागने के दौरान सीसीटीवी भी पुलिस के हाथ लगे हैं। दुकान के भीतर जिस शख्स का चेहरा साफ नजर आ रहा है, उस आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान झारखंड के नामी बुकिया गैंग के सरगना मोनू सोनी उर्फ राज सोनी उर्फ बुकिंग के रूप में की है।

इसके नेतृत्व में गैंग ने झारखंड के गढ़वा, डाल्टेनगंज, रांची के पंडरा, जमशेदपुर सहित अन्य कई दुकानों में लूट व डकैती को अंजाम दिया है। सूत्र बताते हैं कि संदेही मोनू सोनी कई मौकों पर बड़ी लूट व डकैती को अंजाम देने ओडिशा व राजस्थान से भी शातिर युवाओं को बुला चुका है।

तो ज्वेलर्स संचालक की जा सकती थी जान

11 सितंबर की दिनदहाड़े डकैती ऐसा 2 बार प्रयास किया, जिससे राजेश ज्वेलर्स के संचालक भाजपा नेता राजेश सोनी की जान जा सकती थी। राजेश सोनी का कहना है कि दुकान में घुसते ही एक डकैत ने सबसे पहले उनसे मारपीट शुरु कर दी। कट्टे से सिर पर भी वार किया। जब उन्होंने विरोध किया तो उसने 3 बार कट्टे का ट्रिगर भी दबाया था। इससे उनकी जान जा सकती थी।

ऑटोमैटिक लॉकर में भी डालने का प्रयास

राजेश सोनी ने बताया कि डकैत ने उनसे मारपीट करते हुए दुकान के भीतर रहे ऑटोमैटिक लॉक में भी उन्हें धकेलकर डालने का प्रयास किया। वे जानते थे कि ऑटो

यह लॉकर उनके ही फिंगर से दोबारा खुलता। ऐसे में भीतर दम घुटने से उनके साथ बड़ा हादसा हो सकता था। यही वजह है कि उन्होंने खुद को लॉकर में जाने से बचाने डकैत के सामने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी।

झारखंड पुलिस का भी मिल रहा सहयोग

राजेश ज्वेलर्स के संचालक राजेश सोनी नगर के कुछ लोगों के साथ 12 सितंबर को झारखंड के गढ़वा पहुंचे। उन्होंने एसपी दीपक कुमार पांडेय से मिलकर डकैतों को पकडने में सहयोग मांगा, इस पर एसपी ने पूरी मदद करने की बात कही। वहीं वे मंत्री मिथलेश ठाकुर से भी मिले, उन्होंने भी सहयोग का आश्वासन दिया।

इधर बलरामपुर एसपी ने बताया कि वे दूसरे दिन भी झारखंड गए थे। गढ़वा के एसपी से भी लगातार संपर्क में रहे। वहीं बलरामपुर पुलिस की 5 टीमें भी आरोपियों की धरपकड़ में लगी हुई हैं। एसपी ने बताया कि उनकी पूरी कोशिश हैं कि डकैतों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें।

ईद मिलादुन्नबी पर डीजे रहेगा प्रतिबंधित, समाज के लोगों ने स्वविवेक से लिया निर्णय

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 16 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इसके लिए अम्बिकापुर शहर के 12 मस्जिदों की कमेटी के सदर ने सीरतुन्नबी कमेटी मोमिनपुरा के माध्यम से मनाने का निर्णय लिया गया है। जिसके तहत इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सीरतुन्नबी कमेटी के संरक्षक शफी अहमद के नेतृत्व में 2024 के अध्यक्ष (सदर) के रूप में कांग्रेसी नेता दानिश रफीक को चुना गया है। जिनके नेतृत्व में संयुक्त रूप से कार्यक्रम को भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

इस संबंध में सीरतुन्नबी कमेटी के अध्यक्ष दानिश रफीक ने बताया कि जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर डीजे, धुमाल एवं प्लास्टिक वस्तुओं का पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने ने बताया कि ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर भव्य जुलूस का भी आयोजन किया जाएगा जो सुबह 8.30 बजे श्रीगढ़-नवागढ़ सद्भावना चौक से प्रारंभ होगा इसके पश्चात जूलुस मौमीनपुरा चौक, रसूलपुर चौक, बरेजपारा, जयस्तंभ चौक अजय किताब घर दुकान से सदर रोड़, कादंबनी चौक, महामाया चौक, संगम चौक, देवीगज रोड़, घड़ी चौक होते जूलुस कला केंद्र मैदान में आम जलसा में तब्दील हो जाएगा।

इन्हें किया जाएगा सम्मानित

कमेटी के अध्यक्ष दानिश रफीक ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शिक्षा, खेल गतिविधियों सहित समाजिक गतिविधियों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनाब मो. इस्लाम कादरी, हाजी रहमत अली, मो.नसीम खान, मो. रशीद पेंटर, सन्नुवर हुसैन, रशीद अंसारी, जिलानी खान, इदरीश खान, नुरुल अमीन सिद्दीकी, अब्बास फिरदौस, अनवर फिरदौस, हाजी यासिन, हाजी शरीफ सहित समाज के समस्त पार्षद जिम्मेदार नागरिक उल्लेखनीय कार्य करेंगे।

सिरफिरे पति ने पत्नी को टांगी से हमला कर की हत्या,हुआ गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम उरंगा स्थित पतरापारा गुरुवार की रात सिरफिरे पति ने टांगी से हमला कर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार धुनी बाई (34) पति श्रीराम माझी ग्राम उरंगा पतरापारा थाना कमलेश्वरपुर की रहने वाली थी। गुरुवार की रात धुनी बाई अपनी 5 वपर्षीय बेटी के साथ गांव में एक पक्के मकान की छत पर बनाए गए अस्थाई कैंप में सो रही थी। कैंप में लगभग एक दर्जन लोग थे। रात करीब 2 बजे धुनी बाई का पति अचानक टांगी लेकर वहां पहुंचा और लोगों को डराने धमकाने लगा। इसके आक्रमकता को देखकर कैंप से लोग भाग गए। इस दौरान वह अपनी पत्नी के सिर पर टांगी से हमला कर दिया। जिससे सिर कटकर धड़ से अलग हो गया।

नाबालिग लडक़ी का अपहरण कर बलात्कार,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नाबालिग लडक़ी को भगाकर बलात्कार करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार नाबालिग लडक़ी 2 सितंबर को कपड़ा सिलवाने की बात कह कर घर से निकली थी। जो देर रात तक वापस नहीं लौटी। घर वापस नहीं लौटने पर पीड़िता के पिता ने मामले की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस नाबालिग लडक़ी की तलाश शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने नाबालिग लडक़ी को अनु निषाद उम्र 18 साल 6 माह निवासी अखोरा थना बरियों के कब्जे से बरामद किया गया। पुलिस ने पीड़िता से पूछताछ की तो वह बताई की आरोपी मुझसे शादी करने का झांसा देकर जबरन बलात्कार किया है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज में फीस्ट-डे पर छात्राओं ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज में फीस्ट डे 2024 का आयोजित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शांता जोसेफ ने कॉलेज के फीस्ट डे 14 सितम्बर के दिन विशेष की महत्ता को उजागर करते हुए होली क्रॉस प्रवर्तकों श्रद्धेय फादर थियोदोसिसुस फ्लोरेंटिनी तथा मदर मारिया तेरेसा शेरर के अमूल्य योगदान को प्रकाशित किया तथा फीस्ट-डे 2024 पर प्रत्येक के लिए अपनी शुभाशीष व मंगलकामानाएं प्रेषित किया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. कल्पना गुहा, सहायक प्राध्यापक द्वारा स्वरचित कविता पाठ की गई। आलोक चक्रवर्ती, सहायक प्राध्यापक द्वारा होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज, अम्बिकापुर का परिचय अतीत से अद्यतन तक दिया गया। फीस्ट डे 2024 के अवसर पर छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुती दी गई। प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम में मंच का संचालन क्रमशः छात्रा सानवी जायसवाल, छात्रा जाह्नवी मुखर्जी, छात्रा समन एवं धन्यवाद ज्ञापन छात्रा आकांक्षा जायसवाल द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्टता एवं उत्साहवर्धन के हेतु पुरस्कार भी वितरित किया गया जिसमे प्रथम स्थान बस्तर नृत्यशैली- रुपल व समूह, द्वितीय स्थान कॉमेडी एक्ट ड्रामा-मानसी सिंह व समूह व तृतीय स्थान राजस्थानी डांस- कशिश व समूह ने अर्जित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की उप-प्राचार्य डॉ. मंजू टोप्पो, वेलेन्टीना टोप्पो, रजत, रेश्मा एक्का, शीला बरवा, डॉ. सिक दिव्या गुलाब मिंज के साथ होली क्रॉस महाविद्यालय परिवार के अन्य सिस्टर्स, सहायक प्राध्यापक वृंद, कर्मचारीगण व महाविद्यालय के संपूर्ण छात्राओं की उपस्थिति रही।

संगठन मंत्री जामवाल व साय ने की सरगुजा संभाग में हुए भाजपा सदस्यता अभियान की समीक्षा

» सदस्यता अभियान को नई ऊंचाई पर ले जाने का किया आह्वान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल तथा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में सरगुजा संभाग में अब तक हुए भाजपा के सदस्यता अभियान की समीक्षा की। कृषि मंत्री रामविचार नेताम , महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े,सरगुजा सांसद चिन्तामणि महाराज तथा संभागीय संगठन प्रभारी राजा पांडेय की उपस्थिति में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में बूथ, शक्तिकेंद्र तथा मण्डल व ज़िलों में अब तक हुए सदस्यता अभियान की जानकारी ली गई साथ हीं आगामी कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

इस अवसर पर भाजपा क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने सदस्यता अभियान को एक नई ऊँचाई पर ले जाने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाले नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव की दृष्टि से यह अभियान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है , सदस्यता अभियान में किए गए परिश्रम का सुखद परिणाम हमे इन चुनावों में देखने को मिलेगा । आगे उन्होंने कहा कि हम सब को मिल कर इस अभियान को ना केवल ऐतिहासिक बनाना है बल्कि लक्ष्य को पार कर के एक नया कीर्तिमान बनाना है। बैठक में सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर , एमसीबी तथा कोरिया ज़िले से आये अपेक्षित पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल रहे। बैठक का संचालन ज़िला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने तथा आभार प्रदर्शन बलरामपुर ज़िला अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल ने किया।

इस अवसर पर ज़िला संगठन प्रभारी ज्योति नंद दूबे , भाजपा ज़िला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, सूरजपुर जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लूंड्रा विधायक प्रबोध मिंज़, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोरते, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, कोरिया ज़िला अध्यक्ष कृष्णा विहारी जयसवाल, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, अखिलेश सोनी, रामकिशून सिंह, संजय सिंह, मुरली सोनी, पंकज गुप्ता तथा जमुना पांडेय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

घर की दीवार पर अश्लील बातें लिखकर युवती को बदनाम करने वाला युवक गिरफ्तार

- सवाददाता -
अंबिकापुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

युवती के घर के दीवार पर अश्लील बातें लिखकर युवक द्वारा बदनाम करने की कोशिश की जा रही थी। वहीं युवक ने इससे पूर्व पीड़िता के साथ कई बार छेड़छाड़ भी कर चुका था। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार रिकेश पैकरा लखनपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वह 7 सितंबर को अपने गांव के ही एक लडक़ी के घर के दीवार पर अश्लील बातें लिखकर उसे बदनाम करने की कोशिश कर रहा था। वहीं युवक ने युवती के साथ वर्ष 2023 में छेड़छाड़ भी किया था। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट 12 सितंबर को थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

स्कॉटलैंड दुष्कर्म संकट केंद्र से भारतीय CEO का इस्तीफा,महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं सकीं थी जगह

लंदन,13 सितम्बर 2024। स्कॉटलैंड में एडिनबर्ग दुष्कर्म संकट केंद्र (ईआरसीसी) के संचालन में फेल रहने और महिलाओं के लिए जगह सुरक्षित न कर पाने पर केंद्र की भारतीय मूल की ट्रांसजेंडर सीईओ मृदुल वाधवा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दुष्कर्म संकट केंद्र की समीक्षा रिपोर्ट के बाद उन्होंने पद को छोड़ दिया। रिपोर्ट में सामने आया कि सीईओ के तौर पर वाधवा अपने अधिकारों को न तो समझ सकीं और न ही व्यवहार को लेकर पेशेवर मानक तय कर सकीं। इससे केंद्र में महिलाओं के लिए जगह सुरक्षित नहीं की जा सकी।

दुष्कर्म संकट केंद्र के एक पूर्व सदस्य ने एडिनबर्ग केंद्र के सिस्टम और कार्यप्रणाली को लेकर चिंता जताई थी। इसके बाद रोजगार न्यायाधिकरण ने केंद्र की समीक्षा कराई। इसमें केंद्र में काफी खामियां सामने आई। कानूनी विशेषज्ञ विकी लिंग ने समीक्षा में पाया कि केंद्र पर पीड़ितों को स्थान नहीं दिया गया। साथ ही महिलाओं के लिए स्थान की सुरक्षा नहीं की सकी। इसके साथ ही सिस्टम, प्रक्रियाओं और दस्तावेज नियंत्रण की खराब समीक्षा और कमजोर शासन की बात भी सामने आई।

रिपोर्ट में कहा गया था कि केंद्र को अपनी सेवा के भीतर महिला की परिभाषा के संबंध में आरसीएस से सलाह लेनी चाहिए थी। यहां केवल महिलाओं के लिए स्थान और समय की रक्षा की जानी चाहिए और इसे प्रचारित करना चाहिए। मगर चिंता की बात है कि कई महीनों तक केंद्र ने महिलाओं को राष्ट्रीय सेवा मानकों के अनुरूप स्थान उपलब्ध नहीं कराया।

रिपोर्ट सामने आने के बाद केंद्र के निदेशक मंडल ने कहा कि मृदुल वाधवा और बोर्ड ने फैसला किया है कि ईआरसीसी में नेतृत्व परिवर्तन का यह सही समय है। मृदुल ईआरसीसी के सीईओ के रूप में अपनी भूमिका से हट गई हैं। नए सीईओ की नियुक्ति उचित समय पर की जाएगी। हम स्वतंत्र समीक्षा की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ताकि हम लोगों की आवाज बन सकें। बोर्ड ने माफी मांगते हुए यह बात स्वीकार की उनसे गलतियां हुई हैं।

वाधवा के इस्तीफे को लेकर महिला अधिकारों की प्रचारक हैरी पॉटर की लेखिका जे के राउलिंग ने कहा कि मृदुल वाधवा एडिनबर्ग रेप क्राइसिस से चली गई हैं। उन्हें उसी समय बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए था जब उन्होंने कहा था कि जो लोग केवल महिलाओं के लिए स्थान चाहते थे, वे कट्टरपंथी थे। मगर जिन लोगों ने वाधवा को नियुक्त, सक्षम और संरक्षित किया, वे पद पर बने रहेंगे।

स्कॉटिश संसद के सदस्य सू वेबर ने कहा कि दुष्कर्म संकट केंद्रों को पीड़ित महिलाओं के लिए एक सुरक्षित आश्रय प्रदान करना चाहिए। मगर इसे उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय ईआरसीसी कर्मचारियों और संकटग्रस्त पीड़ितों पर अपनी उग्र विचारधारा को थोपने में अधिक चिंतित है।

लंदन में पाकिस्तान के युवक ने की थी भारतीय रेस्टोरेंट मैनेजर की हत्या,चोरी की कार से दिया वारदात को अंजाम

लंदन,13 सितम्बर 2024। लंदन में वेलेंटाइन डे पर भारतीय रेस्टोरेंट मैनेजर की हत्या के मामले में कोर्ट ने एक पाकिस्तानी युवक को दोषी माना है। कोर्ट ने कहा कि पाकिस्तानी युवक शाजेब खालिद ने दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में अपने रेस्टोरेंट वेल से साइकिल से घर वापस आते वक्त रेस्टोरेंट मैनेजर विग्नेश पट्टाभिरामन की चोरी रेंज रोवर कार से हत्या की थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने खालिद को 19 फरवरी को गिरफ्तार किया।

इसके बाद रीडिंग क्राउन कोर्ट ने सुनवाई के बाद खालिद को बुधवार को पट्टाभिरामन की हत्या का दोषी पाया। हालांकि खालिद ने हत्या का आरोप स्वीकार नहीं किया, लेकिन कोर्ट ने सबूतों के आधार पर पट्टाभिरामन को दोषी माना। मामले में 27 वर्षीय सोइहीम हुसैन और 20 वर्षीय मैया रेली को भी गिरफ्तार किया था। हुसैन को खालिद की सहायता करने का दोषी पाया गया। वहीं रेली पर आरोप सिद्ध नहीं हुआ। खालिद को 10 अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी।

हत्या की जांच कर रही टेम्स वैली पुलिस ने अदालत को बताया कि पोस्टमार्टम से पता चला कि पट्टाभिरामन की मौत टक्कर के बाद सिर में चोट लगने से हुई थी। वरिष्ठ जांच अधिकारी स्टुअर्ट ब्रैंगविन ने कहा कि जजों ने खालिद को हत्या का दोषी पाया है। खालिद का इरादा उस शाम विग्नेश को नुकसान पहुंचाने का था। उन्होंने चोरी की गई रेंज रोवर कार से घटना को अंजाम दिया।

वहीं पट्टाभिरामन की मौत वाली शाम को खालिद और हुसैन के बीच कई बार बातचीत भी हुई। इससे साफ है कि हुसैन को हत्या की जानकारी थी। उसने खालिद की मदद की। विग्नेश की मौत ने उनके परिवार को तबाह कर दिया है। इस फैसले से उन्हें मदद मिलेगी।

पट्टाभिरामन के दोस्तों और परिवार ने विग्नेश की दुखी पत्नी राम्या की मदद के लिए ऑनलाइन स्थापित जस्ट गिविंग चैरिटी पहल के जरिये 52,500 ग्रेट ब्रिटिश पांउड से अधिक जुटा लिया है। एक परिजन ने श्रद्धांजलि में कहा कि विग्नेश रेस्टोरेंट वेल में प्रबंधक थे। जहां उन्होंने अपने काम में अपना दिल और आत्मा लगा दी। अपने असाधारण गर्मजोशी भरे स्वभाव, ग्राहक सेवा और कार्य नैतिकता के लिए उनकी अलग पहचान थी। होटल उद्योग में एक वरिष्ठ प्रबंधन पद तक पहुंचने का उनका सपना पूरा हो गया था। हयात रीजेंसी मेफेयर लंदन में उनको जॉब मिलने वाली थी।

कहा गया कि पट्टाभिरामन ने अपनी पत्नी राम्या के साथ समय बिताने और यूके में उज्ज्वल भविष्य के लिए काफी सपने संजोए थे। इस मूर्खतापूर्ण घटना से उनके सपने चकनाचूर हो गए और खालीपन आ गया जिसे भरा नहीं जा सकता।

मिशन शक्ति अतंर्गत 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

रेवती रमन मिश्र कॉलेज सूरजपुर में जिले के कलेक्टर श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के निर्देशानुसार मिशन शक्ति 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जुलाई 2024 से लागू होने वाले तीन नये कानूनों के बारे में छ.ग. उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री हरिशंकर त्रिपाठी के द्वारा विस्तृत रूप से जानकारी दी गई और बताया गया कि पूर्व में अंग्रेजों द्वारा कानून 1860 में बनाया गया था जो आज के परिवेश के अनुसार सही नहीं था उसे बदलकर आज के समस्याओं के अनुसार कानून बनाये गये है यह लोगों की सुविधा के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है, यदि व्यक्ति अपने आचरण और व्यवहार को अच्छा बनाकर रखेंगे तो कानून की आवश्यकता ही नहीं पडेगी। जिला इसी तारतम्य में महिला एवं बाल विकास विभाग से संरक्षण अधिकारी इन्द्र चौबे तिवारी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढाओ बेटी जन्म को प्रोत्साहन देने हेतु शासन द्वारा बनाये गये योजनाओं नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना मातृत्व वंदना योजना महतारी वंदन योजना आदि के बारे में जानकारी देते हुए बच्चियों को सशक्त बनाने तथा महिलाओं के सम्मान की बात कही गई।

इस कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्कता श्री हरिशंकर त्रिपाठी महिला एवं बाल विकास विभाग से जिला संरक्षण अधिकारी इन्द्र चौबे तिवारी कॉलेजे के प्रिंसिपल एच.एन. दुबे, सी.बी. मिश्रा, रश्मि पाण्डेय एवं समस्त स्टाफ तथा कॉलेज के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

वन आधारित आजीविका संवर्धन के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिले की अपार वन संपदा एवं बड़ी मात्रा में होने वाले वनोपज के द्वारा वनोपज संग्राहकों की आजीविका संवर्धन के लिए आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में वनोपज संग्रहकर्ताओं को उनकी आय बढ़ाने के साथ विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी सभी विभागों के विशेषज्ञ प्रतिनिधियों द्वारा दी गयी। जिसमें 10 अलग अलग विभाग है राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान, आदिवासी विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग,रेशम विभाग, कृषि विभाग, पशुधन विभाग, मत्स्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, मनरेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा शासन की विभिन्न विभागीय योजनाओं के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया गया। जिला प्रशासन द्वारा वन विभाग, राज्य लघु वनोपज संघ, जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियन, फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी, चौपाल और संगत संस्था के सहयोग से आयोजित हुआ।

संस्था के सहयोग से सुरजपुर के सभी गांव में महिला स्व. सहायता समूहों के सदस्यों में से महिला लीडर तैयार कर ग्रामीणों को संग्रहण पूर्व, संग्रहण के दौरान एवं संग्रहण के पश्चात विक्रय, न्यूनतम समर्थन मूल्य, मूल्य निर्धारण, बाजार पहुंच एवं वनोपज प्रसंस्करण हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा जिसमें निरंतर प्रशिक्षण के साथ लगातार कार्यों के लिए सहयोग, निरन्तर बैठक एवं ऑनलाइन प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

यह कार्यशाला में सभी के साथ समन्वय बिठाकर आगे कैसे एक जिला सपोर्ट ग्रुप का गठन कर जिला के लिए वन आधारित आजीविका संवर्धन पर कार्ययोजना बनाई जा सके, उसपर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। साथ ही महीने में नियमित बैठक करने और एक दूसरे का सहयोग करने पर चर्चा करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद हेतु आवेदन आमंत्रित

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर ग्रामीण के परियोजना अधिकारी ने बताया कि बाल विकास परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगनबाड़ी सहायिका के 02 रिक्त पदों पर खुली भर्ती के माध्यम से नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र 26 नवम्बर तक आमंत्रित किये गये हैं।

उन्होनें बताया कि में आगनबाडी सहायिका के रिक्त पदों की भर्ती गंगापुर वार्ड क्रमांक 47 के आंगनबाड़ी केंद्र सड़कपारा एवं हर्राटिकरा के आंगनबाड़ी केंद्र महुआपरा एक में होगी। उन्होंने बताया कि उक्त पदों पर केवल महिला ही आवेदन कर सकती हैं। आवेदन पत्र परियोजना कार्यालय अम्बिकापुर ग्रामीण से प्राप्त कर निर्धारित अंतिम तिथि तक परियोजना कार्यालय में पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर में कार्यालयीन समय पर जमा कर सकते हैं।

बंद था पीएचसी,इलाज कराने आए युवकों ने किए तोड़-फोड़

- संवाददाता -
उदयपुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पीएचसी सलका में गुरुवार की रात युवकों ने तोड़फ़ोड़ किया है। युवकों ने रात को अपने घायल साथी को इलाज कराने पहुंचे थे। जहां सलका पीएचसी बंद था। डॉक्टरों के आवाज लगाने पर भी अस्पताल से बाहर डॉक्टर नहीं निकले तो गुस्साए युवकों ने तोड़ फोड़ किया है। जिसका वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ग्राम सलका में गुरुवार की रात गणेश विसर्जन के दौरान एक व्यक्ति को चोट आई थी। जिसे उपचार के लिए पीएचसी सलका उसके साथी लेकर आए और डॉक्टरों को आवाज लगाने लगे। पीएचसी में डॉक्टरों के नहीं मिलने पर घायल के साथ आए युवकों ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए तोड़ फोड़ करना शुरू कर दिया।

लोगों हॉस्पिटल का स्ट्रेचर, व्हील चेयर, गमला और ट्यूबलाइट सहित अन्य सामानों को नुकसान पहुंचाया है।

सूत्रों के अनुसार नियमित डॉक्टर विगत दो दिनों से नहीं है। एक डॉक्टर नो वर्क नो पे का एप्लीकेशन दे दिया है। वहीं डॉक्टर जोकि अंबिकापुर से आना-जाना करते हैं वह दो दिन का सीएल लगाकर छुट्टी पर हैं। इस मामले में बीएमओ योगेंद्र पैकरा ने बताया कि घटना की सूचना लिखित में उदयपुर थाना में दिया गया है। आगे की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जाएगी।

जनपद पंचायत भैयाथान के मंगल भवन में दिव्यांग शिविर का किया गया आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आज जनपद पंचायत भैयाथान मंगल भवन में संबल जिला स्तरीय दिव्यांग जनों का निःशुल्क मेडिकल प्रमाण -पत्र नवीनीकरण प्रमाणीकरण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें कुल पंजीयन 213, मेडिकल प्रमाण पत्र नवीनीकरण, प्रमाणीकरण 52, यूडीआईडी 87, आधार कार्ड 5 अपडेट किया गया। महिला बाल विकास विभाग से बच्चों का वजन, ऊंचाई नाप लिया गया, उद्यान विभाग से पौधे वितरण किया गया, स्वास्थ्य विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाईयां वितरण किया गया और संबंधित विभाग अन्य शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। अभय प्रताप, राजू, सरपंच अन्य जनप्रतिनिधि, जनपद स्तर के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान किया लॉन्च

» 17 सितम्बर से 01 अक्टूबर तक तक चलेगा स्वच्छता पखवाड़ा, थीम होगी स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता...

» 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर अभियान के तहत स्वच्छता की दिशा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होंगे सम्मानित...

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

केंद्रीय मंत्री आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय श्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार 13 सितम्बर को राजधानी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता ही सेवा अभियान को लॉन्च किया। यह पखवाड़ा 17 सितम्बर से 01 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस वर्ष अभियान का थीम स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता रखा गया है। कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ई-सेवा केंद्र से जिले के जनप्रतिनिधि और अधिकारी कार्यक्रम से जुड़े जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, सदस्य श्री राजनाथ सिंह,अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, विभिन्न एनजीओ से श्री गंगाराम सिंह, श्री अंचल ओझा सहित जिले के अधिकारी, स्वच्छाग्राही दीदियां उपस्थित रहीं। इस अवसर पर स्वच्छाग्राही समूहों के संसाधनों को बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के सुझाव दिए।

अभियान के तहत होंगी विभिन्न गतिविधियां

अभियान के तहत 14 सितंबर को जिले में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पखवाड़ा का विधिवत शुभारंभ किया जायेगा। 15 सितम्बर को जिले के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में स्वच्छता परिचर्चा सह संवाद सहित एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत वृक्षारोपण किया जायेगा।

इसी तरह 17 सितंबर से 01 अक्टूब[र] 2024 तक जिले में पर सफाई मित्र सुरक्ष[ा] शिविर का आयोजन होगा जिसमें स्वच्छग्राही सफाई मित्रों के स्वास्थ्य, उपचार और केंद्र, राज्[य] सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के साथ जुड़ाव हेतु सिंगल विंडो स्वास्थ्य व कल्याण शिविर का आयोजन किया जाएगा। 2[0] सितम्बर 2024 को हर ग्राम, पंचायत, से लेक[र] जनपद स्तर पर जीरो वेस्ट इवेन्ट [...] आर.आर.आर. पद्धति पर विशेष अभियान क[ा] आयोजन, स्वच्छता संदेश हेतु मुनादी तथ[ा] अभियान में व्यापक सामुदायिक भागीदार[ी] सुनिश्चित करने हेतु स्वच्छता दौड़, साईकिल बाईक रैली का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 27 सितम्बर 2024 को शासकीय अशासकीय कार्यालयों व अन्य संस्थानों के आस-पास स्वच्छता गतिविधि तथा शालाओं में स्वच्छता विषय पर निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, पोस्टर, नारा लेखन, कविता लेखन प्रतियोगिता तथा क्वीज, जिंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

नगर पंचायत बनने के बाद क्या पटना की मुख्य सड़क होगी 40 फीट चौड़ी और हटेगा नजूल भूमि का कब्जा?

नजूल भूमि से कब्जा हटाने की शिकायत हुई शुरू, क्या एक का हटेगा कब्जा या पूरे नजूल भूमि से हटेगा कब्जा?

2 एकड़ नजूल भूमि पर एक व्यक्ति ने किया कब्जा जिसे खाली कराने लोगों ने की कलेक्टर एसडीएम व तहसीलदार से शिकायत

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना, 13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले में अभी तक दो नगर पालिका क्षेत्र थे अब तीसरा पटना को नगर पंचायत बना दिया गया, ग्राम पंचायत पटना को नगर पंचायत बनाने के लिए काफी समय से मांग हो रही थी यह बात अलग है कि पटना नगर पंचायत बने इस बात को लेकर लोगों का समर्थन भी था वहीं नगर पंचायत न बने इसका विरोध भी था, इसके बावजूद अब पटना नगर पंचायत पूरी तरीके से अस्तित्व में आ गया है और अब आगामी चुनाव में यहां नगरीय निकाय के चुनाव होंगे भी, वहीं जहां नगर पंचायत का समर्थन करने वालों का यह कहना है की नगर पंचायत बनने से पटना का विकास होगा तो वहीं नगर पंचायत बनने का विरोध करने वाले का कहना है कि लोगों पर कर का बोझ बढ़ेगा। नगर पंचायत ना बने इसके लिए एक वर्ग बहुत प्रयासरत था लेकिन अब इसके बावजूद ग्राम पंचायत पटना नगर पंचायत बन चुका है जिसे अब निरस्त नहीं किया जा सकता फिर भी लोग विरोध में बैठे हैं और यह उम्मीद लगा रहे हैं की शायद उनके विरोध से पटना नगर पंचायत पुनः ग्राम पंचायत ही रह जाए जो नामुमकिन जैसी स्थिति है। अब जहां नगर पंचायत का दर्जा पटना को मिल चुका है और पटना भी अब शहरी क्षेत्र में आ गया है अब इसके शहरी क्षेत्र हो जाने से जहां विकास की लोगों ने उम्मीद रखी थी अब वह विकास के तहत क्या नजूल भूमि से कब्जा खाली कराए जाएंगे और पटना की बाजार के मुख्य सड़क 40 फीट चौड़ी होगी या फिर पटना भी बैकुंठपुर की ही तरह संकरा रह जायेगा और विकास और साफ सफाई केवल जुमला रह जायेगा।

सकरी सड़क व नजूल भूमि पर कब्ज़ा

नज़ूल भूमि पर कब्ज़ा क्या होगा खाली?

2 एकड़ नज़ूल भूमि पर कब्ज़ा कर बनाया जा रहा है दुकान

एक नजूल भूमि से कब्जा हटेगा या फिर पटना के सारे नजूल भूमि कब्जा मुक्त होंगे?

पटना में नजूल भूमि पर काफी लोग कब्जा किए हुए हैं और उनके पास कोई पट्टा भूमि का नहीं है। शासन की फ्रीहोल्ड स्कीम भी अब समाप्त हो चुकी है और अब शुल्क चुकाकर भी कोई नगरीय क्षेत्र में पट्टा प्राप्त नहीं कर सकता है। अब सवाल यह है की क्या केवल 2 एकड़ ही नजूल भूमि के कब्जे को हटाने के लिए आवेदक खड़े होंगे शिकायत होगा की अन्य भी मामलों में कार्यवाही होगी और लोगों का बेजा कब्जा हटाया जायेगा। वैसे पूरे पटना में बाजारपारा के अलावा कई जगह लोग कई एकड़ जमीन नजूल की कब्जा किए बैठे हैं जिसका चिन्हांकन जरूरी है और उसके अनुरूप सभी का कब्जा भी हटाया जाना जरूरी है यदि किसी एक का कब्जा हटाया जाता है। बाजारपारा सहित लगभग हर मोहल्ले में कब्जा लोगों का नजूल भूमि पर है यहां तक की चौक चौराहों पर भी लोगों ने कब्जा कर रखा है जिसे खाली कराया जाना अत्यंत आवश्यक है तभी न्याय वाली बात होगी।

विकास के लिए कौन-कौन त्यागेंगे नज़ूल जमीन?

पटना ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बने यह मांग कई लोगों की थी और दोनो प्रमुख दलों के नेता भी ऐसा ही चाहते थे जो संभव हो गया। अब बात विकास की आ गई है वहीं नगर पंचायत का कार्यालय सहित अन्य नगर पंचायत के स्थापन्न के लिए भूमि की आवश्यकता पड़ेगी जो पटना में उपलब्ध तो है लेकिन लोगों के कब्जे में है वह भी ऐसे लोगों के कब्जे में है जो नगर पंचायत के पक्षधर हैं। अब क्या वह अपना नजूल भूमि कब्जा छोड़ते हैं या वह बिना कब्जा छोड़े की नगर पंचायत का अस्तित्व देखना चाहते हैं। अब कब्जा छोड़ने के आधार पर ही तय होगा कौन नगर पंचायत का पक्षधर है और कौन पक्षधर नहीं है या केवल जो चुनाव लड़कर केवल पद पाना चाहता है।

क्या पटना बाजार पारा के निवासी 30 से 40 फिट सड़क के लिए तैयार है...

पटना के नगर पंचायत बनते ही अब यह सवाल खड़ा हो रहा है की क्या अब बाजार पारा के लोग नगर विकास के लिए अपना भी योगदान देंगे वह सड़क के चौड़ीकरण के लिए 30 से 40 फिट वाली सड़क को समर्थन देंगे? सड़क चौड़ीकरण के बाद ही पटना नगरीय स्वरूप में दिखने लायक होगा वरना एक तंग गलियों वाला कोई मोहल्ला ही वह बनकर रह जायेगा। 30 से 40 फिट सड़क चौड़ीकरण के लिए त्याग कई लोगों को करना होगा और यही त्याग साबित करेगा की कौन नगर विकास के लिए प्रतिबद्ध है और कौन अपने स्वार्थ को आगे रखकर मात्र चल रहा है और केवल कहने को नगरीय क्षेत्र घोषित होने का स्वागत कर रहा है या चुनाव लडना ही केवल उसकी मंशा है।

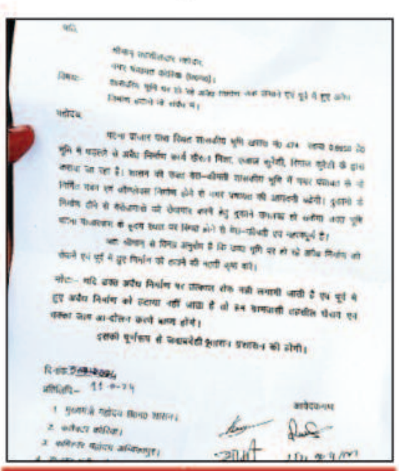
एकड़ नज़ूल भूमि पर कब्ज़ा मुक्त कराने लोगों ने की शिकायत

बाजार में एक तरफ तो लोगों की पट्टे की भूमि है और एक तरफ की ज्यादातर नजूल कब्जे की भूमि

पटना की बात की जाए तो पटना बाजारपारा में नजूल भूमि पर काफी लोगों का कब्जा है और हाल ही में सरकार ने फ्रीहोल्ड वाली पूर्व कांग्रेस सरकार की योजना भी समाप्त कर दी है जिससे कब्जाधारियों को पट्टा मिल सके या उनका कब्जा बरकरार रहे वहीं यदि वह योजना बरकरार भी की जाती है तो 152 प्रतिशत का शुल्क चुका पाना हर कब्जाधारी के लिए संभव नहीं क्योंकि कई तो छोटी मोटी ही दुकानदारी चलाते हैं। पटना के विकास के लिए उसके नगरीय स्वरूप में आने के बाद उसके बेहतर निस्तार के लिए यह आवश्यक होगा की बाजारपारा की कब्जे वाली नजूल भूमि खाली कराई जाए और जिससे बाजार में सड़क नाली सहित अन्य विकास के कार्य संभव हो सकें। बाजार में एक तरफ तो लोगों के पट्टे की भूमि है लेकिन एक तरफ की ज्यादातर भूमि कब्जे की है जो कई दशकों से लोगों के कब्जे में है और अब पटना के विकास के लिए उस कब्जे को खाली करवाना नगरीय प्रशासन की मजबूरी होगी और वह कैसे खाली हो यह उनका प्रथम प्रयास होना चाहिए। कुछ लोगों का कहना यह भी है की कुछ लोगों का कब्जा एकड़ों में है और यदि वह पटना के विकास के पक्षधर हैं तो वह कब्जा छोड़ दें और समाने से आकर ऐलान कर दें जिससे पटना का विकास चहुमुंखी संभव हो सके।

2 एकड़ नजूल भूमि से कब्जा खाली कराने के लिए लोगों ने कलेक्टर से की गुजारिश,क्या कब्जा कलेक्टर खाली करा पाएंगी?

सूत्रों की माने तो पटना में एक नजूल भूमि का हिस्सा ऐसा भी है जिसका रकबा 2 एकड़ के आसपास है और जिसपर एक ही व्यक्ति का कब्जा है। लोगों ने शिकायत कर कब्जा खाली कराने की मांग की है और लोगों का कहना है की यही भूमि पटना के विकास में चार चांद लगा सकती है। अब क्या उक्त 2 एकड़ भूमि से जो नजूल भूमि है क्या कलेक्टर कब्जा खाली करा पाएंगी, क्या लोगों की मांग पर राजस्व अमला नजूल भूमि के बड़े हिस्से से कब्जा खाली करा सकेगा। वैसे शिकायत करने वालों का कहना है की सबसे पहले सबसे बड़े नजूल भूमि कब्जे को खाली कराया जाए और उसके बाद ही छोटे कब्जे खाली कराए जाएं।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में किया गया नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
बलरामुपर, 13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।
नशामुक्त भारत के अंतर्गत कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का के मार्गदर्शन में जिले में समाज कल्याण विभाग द्वारा सुचारू रूप से नशा मुक्ति अभियान का संचालन किया जा रहा है। साथ ही इस अभियान के तहत् विभाग द्वारा जिले के विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों के बीच नशा के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 200 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को नशा से होने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में बताया गया। साथ ही नशा से दूर रहने का शपथ भी दिलाया गया। कार्यक्रम में आबकारी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग एवं चाइल्ड लाइन के अधिकारी-कर्मचारी तथा विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जाबो कार्यक्रम अंतर्गत विद्यार्थियों ने दिया जागरूकता का संदेश

-संवाददाता-
बलरामुपर, 13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।
कलेक्टर रिमिजियुस एक्का के निर्देशन में आगामी पालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत के आम निर्वाचन 2024-25 के जागरूकता के लिए ''जागव वोटर'' (जाबो) कार्यक्रम के तहत सभी विकासखण्डों के 39 विद्यालयों के नव वोटर विद्यार्थियों ने अपने जनदीक के पारे-मोहल्लों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करते हुए रैली निकालकर नव वोटरों को फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने का संदेश स्लोगन के माध्यम से दिया। कार्यक्रम में 78 विद्यालयों के 42000 विद्यार्थियों ने अलग-अलग पारा-मुहल्ला में जागरूकता फैलाया।

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित हुआ यदि नगर पंचायत अध्यक्ष पटना का पद

सुजीत सोनी कांग्रेस से कर सकते है दावेदारी

अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से सबसे सक्रिय कांग्रेसी हैं सुजीत सोनी

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर, 13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले के पटना ग्राम पंचायत को नगर पंचायत का दर्जा मिल चुका है और इसबार अब पटना में नगर पंचायत का चुनाव होगा जिसमे अध्यक्ष और पार्षद जनता चुनेगी। वैसे तो नगर पंचायत का विरोध भी हो रहा है मंच लगाकर लगातार धरना भी जारी है विरोध में लेकिन यदि नगर वासियों की माने तो विरोध करने वालों में अधिकांश बाहरी लोग हैं जो पटना के निवासी ही नहीं हैं वहीं विरोध करने वालों की संख्या भी इतनी नजर नहीं आई जिससे कहा जाए की बड़ा वर्ग विरोध में है। वैसे विरोध के बीच अलग अलग वर्ग से आने वाले लोग जाति समाज से आने वाले लोग अध्यक्ष पद सहित पार्षद पद के लिए होने वाले आरक्षण को लेकर भी मंथन कर रहे हैं और अपने अपने लिए संभावनाएं तलाश रहे हैं। यदि अध्यक्ष का पद अनारक्षित हुआ तो यह माना जा रहा है की दलीय प्रत्याशियों के अलावा बड़ी संख्या में लोग नामांकन दाखिल करेंगे वहीं यदि अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पद अध्यक्ष का आरक्षित हुआ तब दो प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए काफी दिक्कतें आने वालीं हैं क्योंकि दोनों ही दलों में अन्य पिछड़ा वर्ग से कोई दमदार प्रत्याशी नजर नहीं आ रहा है जो अध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त माना जाए यह बात वरिष्ठ नेताओं के हिसाब से कही जा सकती है क्योंकि वरिष्ठ भाजपाई या कांग्रेसी जो अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से आते हैं वह पार्टी के लिए उतने समर्पित कभी नहीं रहते जितने युवा वर्ग के कार्यकर्ता समर्पित रहते हैं। वैसे भी हाल फिलहाल में राजनीति में युवाओं का दखल ज्यादा ही देखने को मिल रहा है और वह सफल भी हो रहे हैं क्योंकि वह पार्टी के लिए जमीनी मेहनत कर रहे हैं वहीं बड़े वरिष्ठ नेता ज्यादातर व्यवसाय में ही व्यस्त हैं।

तिवारी, शुक्ला, शर्मा के भी सुजीत हैं खास, मिल सकता है इन्हे इसका प्रत्याशी बनने में लाभ

सुजीत सोनी कांग्रेस के सच्चे सिपाही हैं यह कहना गलत नहीं होगा वहीं यदि पटना 84 क्षेत्र के नेताओं के हिसाब से देखा जाए तो सुजीत कांग्रेस के बड़े नेता तिवारी, शुक्ला, शर्मा के खास हैं और इसका उन्हे टिकट के दौरान लाभ मिल सकता है। सुजीत को इन तीनो का साथ मिला और सीट अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित हुई तो सुजीत ही कांग्रेस के लिए युवा एवम बेहतर विकल्प हैं।

आईए समझते है पिछड़ा वर्ग प्रत्याशी समीकरण को

भाजपा की बात की जाए तो भाजपा में अन्य पिछड़ा वर्ग से युवा कोई ज्यादा प्रभावी प्रत्याशी हो सकता है वह यदि महिला प्रत्याशी हो या पुरुष दोनों ही स्थिति में वरिष्ठ से ज्यादा प्रभाव मतदाताओं पर डाल सकेंगे क्योंकि वरिष्ठ जन व्यवसाय के अलावा कभी सामाजिक गतिविधियों में शामिल नजर नहीं आते न ही उनका कोई योगदान ही ग्राम नगर के लिए कभी देखा गया वहीं कांग्रेस की बात की जाए तो अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से सुजीत सोनी एक ऐसे कार्यकर्ता पार्टी के हो सकते हैं जिनपर पार्टी दांव खेल सकती है और युवाओं का रूझान अपनी ओर कर सकती है लेकिन सुजीत सोनी अर्थबल से कमजोर साबित हो सकते हैं वहीं यदि एक कार्यकर्ता की हैसियत से उनकी तुलना अन्य से की जाएगी तो शायद ही कोई अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से पटना से उनके मुकाबले पार्टी के लिए समर्पित होगा।

सुजीत को गुटबाजी से खतरा

सुजीत सोनी के साथ एक समस्या और सामने आ सकती है और वह यह की वह कांग्रेस के ही गुटबाजी के भी शिकार हो सकते हैं शेष अब देखना है की यदि अन्य पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण होता है तो दोनों प्रमुख दल किस पर दांव लगाते हैं शुद्ध व्यापारिक मानसिकता के ऐसे लोगों पर जिनका सामाजिक सरोकार शून्य रहा हो या फिर किसी ऐसे युवा पर जो पार्टी के लिए भी समर्पित हो और जो पार्टी के लिए जी जान लगाता हो। पार्टियों के लिए यह चुनाव अपने कर्मठ युवा कार्यकर्ताओं के लिए विश्वास साबित करने का भी चुनाव साबित होने वाला है।

10 लाख की सीसी सड़क ने खोल दी भ्रष्टाचार की पोल

आखिर ग्रामीण यांत्रिकी विभाग में पदस्थ एस डी ओ एवं इंजिनियर के कार्य काल की बनी सी सी सडक महज छः माह में ही बह गई ?

क्या अधिकारी निर्माण का निरीक्षण करने का झूठा दावा करते हैं जिसका मूल रूप ग्राम पंचायत पोडीडीह में निर्मित सीसी सड़क स्पष्ट बया कर रही ?

-राजेन्द्र शर्मा-
एमसीबी, 13 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले का जनपद पंचायत खडगवां से महज चंद किलोमीटर कि दूरी पर ग्राम पंचायत पोडीडीह मुख्य मार्ग से गौठान पहुंच मार्ग पर 10 लाख रुपए कि लागत सी सी सडक का निर्माण कार्य 290 मीटर कार्य योजना जिला खनिज न्यास से स्वीकृति प्राप्त हुई थी। इस सीसी सड़क निर्माण कार्य के नाम पर ग्राम पंचायत पोडीडीह में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। जिम्मेदार जनपद पंचायत के अधिकारी एवं ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के एस डी ओ एवं इंजिनियर इन घटिया निर्माण कार्य की शिकायत पर कार्रवाई करने के बजाय कार्यालय में बैठकर भ्रष्टाचार करने वाले ठेकेदारों को ही बढ़ावा दे रहे हैं। शासन से मिलने वाली राशि का निर्माण कार्य में बंदरबाट कर राशि को ठिकाने लगाने में लगे हैं। जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा हैं।

वार्डवासियों ने लगाया आरोप

वार्डवासियों का आरोप हैं कि उपयंत्री एवं एसडीओ ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के द्वारा सीसी सड़क निर्माण के दौरान निर्माण कार्य की सही जांच करने एवं स्थल का निरीक्षण करने कभी नहीं आये ग्राम पंचायत पोडीडीह के अपने चहेते ठेकेदार के द्वारा मनमानी कर लाखों की सी सी सडक का निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया गया है। इस सी सी सडक निर्माण कार्य कि जानकारी के लिए ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी से उनके मोबाइल पर संपर्क करने पर उन्होंने ने कहा मैं अभी घर पर हू मेरे पैर में चोट है।

सरपंच अपने चहेतो को दे रहा काम

जनपद पंचायत खडगवां अंतंगत ग्राम पंचायत पोडीडीह में 10 लाख रुपए की लागत से जिला खनिज न्यास योजना से सीसी सड़क निर्माण कार्य के लिए राशि स्वीकृति प्रदान की गई थी इस निर्माण कार्य की निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत पोडीडीह है और इस सी सी सड़क का निर्माण कार्य कोरबा बिलासपुर मुख्य मार्ग से गौठान पहुंच मार्ग में 290 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य के लिए स्वीकृति दिया गया था । लेकिन सरपंच ग्राम पंचायत पोडीडीह के अपनी मनमानी के कारण अपने चहेते ठेकेदार को सीसी सड़क निर्माण कार्य कराने का जिम्मा दिया था उक्त ठेकेदार ने घटिया एवं गुणवत्ता विहीन सीसी सड़क के निर्माण कार्य को अंजाम दिया जो सी सी सडक महज छ- माह में ही विभागीय अधिकारियों के संरक्षण में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई सी सी सडक जिस जगह पर निर्माण कार्य किया गया है उस जगह पर पुलिया का निर्माण कार्य किया जाना था जो पुलिया का निर्माण नहीं कर उस जगह मिट्टी को भरकर लाखों रुपए की सी सी सडक का निर्माण कार्य कर दिया गया है।

कुछ महीने में ही खुल गई भ्रष्टाचार की पोल

इस सी सी सडक निर्माण कार्य के भ्रष्टाचार की कलई पहले बरसात में ही छ- माह के अंदर ही खुल गई। जिसका प्रमाण इस सी सी सडक को देखकर लगया जा रहा है। इस सी सी सडक का निर्माण कार्य अमानक स्थल पर किया गया है जबकि उस स्थल पर बिना पुलिया के निर्माण कार्य कराए बिना लाखों रूपए कि सी सी सडक का निर्माण कार्य ग्राम पंचायत पोडीडीह निर्माण एजेंसी को अपने ठेकेदार से नहीं कराना था। ग्राम पंचायत पोडीडीह सरपंच के चहेते ठेकेदार के द्वारा अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के एसडीओ एवं इंजिनियर से सांठगांठ कर उस स्थल पर सी सी सडक का निर्माण कार्य करा दिया गया था जहां पर बिना पुलिया निर्माण कार्य किए सी सी सडक का निर्माण कार्य नहीं किया जाना था मगर सी सी सडक निर्माण कार्य में स्थल का निरीक्षण एवं चयन पहले इंजिनियर के द्वारा किया जाता है उसके बाद इंजिनियर के द्वारा उसका इस्टीमेट तैयार किया जाता है कि इस लागत से इस स्थल पर सी सी सडक निर्माण कार्य होगा मगर यहां पर इंजिनियर के द्वारा अपने कार्यालय के एसी कमरे में बैठे बैठे इस्टीमेट तैयार करके दे दिया गया और उसके बाद सड़क का निर्माण कार्य भी होगा गया और निर्माण किया गया सी सी सडक बह भी गए मगर मुख्यालय से महज चंद दूरी की सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण नहीं किया गया इस तरह इस जनपद पंचायत खड़गवां में ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के एसडीओ इंजिनियर भ्रष्टाचार का खेल धड़ल्ले से कर रहे हैं।

जिला एमच्योर वॉलीबाल प्रतियोगिता रायपुर में भाग लेने सार्थक आवासीय वॉलीबाल अकादमी के खिलाड़ी हुए रवाना

-संवाददाता-
सूरजपुर, 13 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर रोहित व्यास के सफल निर्देशन व मार्गदर्शन में जिले के स्वा.आ.हिन्दी मा.स्कूल बिश्रामपुर में संचालित सार्थक आवासीय वॉलीबाल अकादमी के बालिका खिलाड़ी रायपुर में आयोजित ''एमच्योर वॉलीबाल प्रतियोगिता'' में भाग लेने के लिए रवाना हुए। यह प्रतियोगिता सप्रे शाला रायपुर स्थित वॉलीबाल ग्राउण्ड में 13 से 15 सितम्बर तक आयोजित होगी। खिलाड़ियों के साथ कोच, मैनेजर के रूप में श्री दिनेष साहू व श्री रविषंकर सम्मिलित होंगे। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अजय गोयल, डी.एस.पी.श्री रामश्रृंगार यादव, खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय, सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री शरदेन्दु कुमार शुक्ल, वॉलीबाल संघ के उपाध्यक्ष पंकज गर्ग, संघ के कोषाध्यक्ष राजनाथ, सोनू यादव, पंकज डोंगरे द्वारा खिलाड़ियों को परिधान भेंट कर अग्रिम शुभकामना दी गई।

21 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का किया जाएगा आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर, 13 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशन एवं माननीय छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर श्री गोविंद नारायण जांगडे जी के द्वारा 21 सितम्बर 2024 दिन शनिवार कों जिला न्यायालय सूरजपुर, कुटूम्ब न्यायालय सूरजपुर, तालुका न्यायालय प्रतापपुर एवं जिले के समस्त राजस्व न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत में वर्चुअल एवं फिजिकल दोनों ही माध्यम से प्रकरणों की सुनवाई की जाएगा। इस नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक एवं सिविल मामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, परिवारिक मामले, राजस्व मामले व अन्य राजीनामा योग्य मामले तथा बैंक ऋष्ण, विद्युत, जल के बकाया देयकों का प्रीलिटिगेशन मामलों को नेशनल लोक अदालत में रखे जायेगें। मामलों की सुनवाई हेतु जिला न्यायालय सूरजपुर, तालुका न्यायालय प्रतापपुर, कुटुम्ब न्यायालय सूरजपुर में सुनवाई हेतु खंडपीठ का गठन किया जाएगा। वहीं राजस्व विभागों के मामलों की सुनवाई राजस्व न्यायालयों में की जाएगी जिसमें न्यायालय कलेक्टर, सभी अनुविभागीय न्यायालय एवं समस्त तहसील न्यायालय शामिल है जहां सुनवाई हेतु खंडपीठ का गठन किया जाएगा। लोक अदालत एक ऐसा मंच है, जहां न्यायालयों में लंबित वाद-विवाद/मुकदमें या प्री-लिटिगेशन चरण के मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया जाता है। लोक अदालत विवादों के निपटारे का वैकल्पिक माध्यम है, जहां श्रम व धन की बचत के साथ त्वरित न्याय प्राप्त होता है। लोक अदालत में लोगों के मध्य आपसी मतभेद हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है। नेशनल लोक अदालत में वर्चुअल मोड पर उपस्थित होने के लिए जिला न्यायालय सूरजपुर की व े ब स ा इ ं ट https://surajpur.dcov.in पर जाकर संबंधित कोर्ट (खंडपीठ) के आगे दिये लिंक पर क्लीक कर वर्चुअल मोड पर जुड़ा जा सकता है। बैंक ऋष्ण, बकाया बिजली बिल, जल के बकाया देयकों के प्री लिटिगेशन प्रकरणों में पक्षकारों को नियमानुसार छूट दिया जावेगा। जिले वासियों से अपील है कि 21 सितम्बर 2024 के नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक लोग उपस्थित होकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

प्रतापपुर में वजन त्यौहार शुभारंभ के पश्चात गाँव गाँव और आंगनबाड़ी केंद्र में वजन त्यौहार का किया जा रहा प्रचार-प्रसार

-संवाददाता-
सूरजपुर, 13 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सम्पूर्ण अभियान के अंतर्गत महिला बाल विकास विभाग द्वारा आकांक्षी विकासखण्ड प्रतापपुर के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर वजन त्यौहार का शुभारम्भ के पश्चात वजन त्यौहार रथ गाँव गाँव और केंद्र में जाकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है जिसे ज्यादा से ज्यादा पोषण एवं साफ-सफाई और स्वच्छता संबंधित बताया गया एवं सभी केंद्र में उपस्थित बच्चों की सही वजन एवं ऊंचाई मापन किया गया। वजन त्यौहार रथ में चलचित्र के मध्याम से महिलाओं के जीवन मे आने वाली परिवर्तन को बताना, बच्चे एवं गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन लगवाना। पोषण अभियान कार्यक्रम की मदद से जन-जन के बेहतर आहार और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लायेगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिये पंचायत स्तर तक एक मजबूत साझेदारी की आवश्यकता है। इस दिशा में पंचायत प्रतिनिधि अपनी अहम भूमिका निभायें तथा कुपोषण को दूर करते हुए एक मज़बूत देश की नींव रखें। 0-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का वजन किया गया। कुपोषित बच्चों की माताओं को परामर्श दिया गया साथ ही अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी केन्द्र में रेफर किया गया। किशोरियों एवं छात्राओं को पौष्टिक आहार एवं उसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को संतुलित पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया गया।

शुलभ शौचालय निर्माण होने के बाद नहीं खुला ताला

भवन हुआ जर्जर ग्रामीणो ने की कार्यवाही की मांग

मुख्यालय का शुलभ शौचालय सिर्फ शो पीस बन कर रह गया है

-राजेन्द्र शर्मा-
एमसीबी, 13 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में 15 वां वित्त जनपद पंचायत योजना अधिकारीओ के कमाई का माध्यम बन कर रह गया है और योजना धरातल पर धूल खा रही है कागजों में बेहतर तरीके से संचालन किया जाने का दावा किया जा रहा है

मंनेद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के खडगांव जनपद पंचायत मुख्यालय में 15 वां वित्त योजना के तहत निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत खड़गवां में लाखों रुपए की लागत से निर्माण हुए शुलभ शौचालय में पिछ्ले तीन वर्षों से ताला लगा हुआ है स्थानीय ग्रामीणों ने शुलभ शौचालय का निर्माण लगभग 3 वर्ष पूर्व ग्राम पंचायत खड़गवां के द्वारा कराया गया था जो निर्माण होने के बाद से कभी उपयोग नहीं हुआ इस शुलभ शौचालय के लिए पानी की व्यवस्था भी नहीं की गई थी इस शुलभ शौचालय के अंदर देखेंगे तो शौच के लिए अलग-अलग खंड में खड़ी की गई दीवारो में दरार आ गए हैं और टॉयलेट शीट भी जाम है शौचालय की छत दीवाल पूरी तरह जर्जर हो चुका है ग्रामीण बताते हैं कि उपयोग होने से पूर्व ही शुलभ शौचालय जर्जर हो चुका है शुलभ शौचालय का ताला तीन वर्षों से खुला ही नहीं है। शौच करने जाने वालों पर कभी भी शुलभ शौचालय की छत का प्लास्टर दीवाल धंस सकती है जो कभी भी किसी झटका भूकंप तेज आंधी में गिरने की संभावना बनी हुई है इस घटिया निर्माण भवन को लेकर ग्रामीणों में काफी रोस व्याप्त है और ग्रामीणों द्वारा भवन निर्माण करने वाले तकनीकी एवं निर्माण एजेंसी पर कार्यवाही की मांग की है। जबकि जनपद मुख्यालय में 15 वां वित्त योजना के तहत इंजिनियर हैं जो ग्राम पंचायतो में विभिन्न निर्माण कार्यों को मूल्यांकन आदि करते हैं। 15 वां वित्त योजना के तहत बनाए गए शुलभ शौचालय निर्माण कार्य की देखरेख करना इनकी जिम्मेदारी है जो जनपद कार्यालय में बैठकर ही सारे नियम कायदों को कागजों में ही प्रदर्शित कर क्षेत्र में 15 वां वित्त योजना का सफल संचालन का दावा कर रहे हैं।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
P.W.D.(B&R) AMBIKAPUR CIRCLE AMBIKAPUR

Invitation Date:-11.09.2024

E-PROCURMENT TENDER NOTICE

01. For Tender detail please visit://eproc.cgstate.gov.in
02. Concern Divisio-S.No.01 Pathalgaon,S.No.2,3Jashpur,S.No.04 to 16 Manendragarh and S.No.07 to 11 Ramanujganj Division.
03. S.No.01 to 10 -D Class And Above Contractor & S.No. 11-C Class And Above Contractor.
04. Bid Submission Due Date-S.No.01 to 03, 07 to 09-01.10.2024& S.No,04 to 06 & 10,11-25.09.2024

S.No.	N.I.T. No.	Name of Work	P.A.C. in Lakh
1	2	3	4
1	91	Construction of Mundadih to pagurabahar Road Length 0.90 K.m.(First Call)	98.96
2	92	White Washing and Colour Washing work of Residental and Non Residental Buildings under PWD Sub Division No.2 Jashpur(First Call)	30.00
3	93	White Washing and Colour Washing work of Residental and Non Residental Buildings under PWD Sub Division No.1 Jashpur(First Call)	35.00
4	94	Repair work of Civil Court Manendragarh Distt Manendragarh Chirmiri Bharatpur(Second Call)	49.98
5	95	Ordinary Repair of (SH-15) Kendai Chotiya Bardar Khadgawan Baikunthpur Sonhat Ramgarh Road in Km.87,88,89,90,104,105,106,107,108,109,111,112,113,114,115,116,127,128, 129, 130,131,132,137,138,139,141,142,143,144,145=30 Km.Under Sub Division Baikunthpur Distt Korea(C.G.) (Second Call)	34.43
6	96	Ordinary Repair of Janakpur to Kotadol in Km.1 to 5,14,15, 16,25,26,27=11.00 Km Under Sub Division Janakpur.(Second Call)	21.31
7	97	Painting work of Residental and Non Residental Buildings Under PWD Sub Division Ramanujganj.(First Call)	40.00
8	98	Painting work of Residental and Non Residental Buildings Under PWD Sub Division Wadrafnagar.(First Call)	40.00
9	99	Painting work of Residental and Non Residental Buildings Under PWD Sub Division Kusmi.(First Call)	40.00
10	100	Ordinary Repair work of Residental and Non Residental Buildings Under PWD Sub Division Kusmi.(Second Call)	40.00
11	101	Construction of Higher Secondary School Building at Bariyo Block Rajpur Distt Balrampur Ramanujganj(Second Call)	117.96

G.No.242502444/3

Superintending Engineer
P.W.D. Ambikaur Circle Ambikapur

संक्षिप्त खेल की खबरें

नवदीप सिंह के सामने जमीन पर बैठे पीएम मोदी

गोल्ड मेडलिस्ट ने पहनाई कैप

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2024। भारतीय पैरा एथलीट्स नवदीप सिंह ने पेरिस पैरालंपिक गेम्स 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता और देश का नाम रोशन किया। 23 साल के नवदीप सिंह ने पैरालंपिक गेम्स के जैवलिन थ्रो इवेंट में भारत के लिए पहली बार गोल्ड मेडल जीतने का कमाल किया और ये उनका किसी पैरालंपिक गेम्स में भी पहला व्यक्तिगत गोल्ड मेडल भी रहा।

नवदीप सिंह की इस उपलब्धि के बाद भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने उनसे मुलाकात की। पीएम मोदी और नवदीप सिंह की मुलाकात का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें साफ दिख रहा है कि पीएम मोदी कितने सरल तरीके से उनसे बातें कर रहे हैं। इस दौरान पीएम ने नवदीप सिंह की इच्छा पूरी भी की।

पीएम मोदी और नवदीप सिंह का जो वीडियो सामने आया है। उसमें भारतीय पैरा एथलीट उनसे कहते हैं कि सर, मैं आपको कैप पहनाना चाहता हूं। इसके बाद पीएम मोदी कहते हैं कि तुमने अपना वीडियो देखा है। क्या लोग कह रहे हैं, सब लोग डरते हैं। इस पर नवदीप कहते हैं कि जोश जोश में थोड़ा सा। इसके बाद पीएम मोदी कहते हैं कि मुझे कैप पहनाना चाहोगे, मैं यहां बैठता हूं, तुम पहनाओ। इसके बाद पीएम नीचे बैठ जाते हैं। फिर नवदीप पीएम मोदी को कैप पहनाते हैं और उसके बाद पीएम मोदी उनसे हाथ मिलाते हुए कहते हैं, वाह लग रहा है ना कि तुम बड़े हो। फिर दोनों खूब हंसते हैं।

पीयूष चावला ने बताया रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी में फर्क

नई दिल्ली,13 सितम्बर 2024। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले लेग स्पिनर पीयूष चावला ने रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी में अंतर के बारे में बातचीत की।

पीयूष चावला इन दोनों खिलाड़ियों की कप्तानी में मुंबई के लिए खेल चुके हैं। मुंबई ने आईपीएल 2024 में कप्तानी में बड़ा बदलाव किया था और रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई का प्रदर्शन खराब रहा था और ये टीम 10वें नंबर पर रही थी। पीयूष चावला ने शुभंकर मिश्रा के यूट्यूब चैनल रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी के अंतर के बारे में बात करते हुए बताया कि हर किसी की कप्तानी करने की अपनी शैली होती है।

भारत-पाकिस्तान का हाई वोल्टेज मुकाबला आज

भारत और पाकिस्तान का एक बार फिर खेल के मैदान पर आमना-सामना होने जा रहा है। इस बार मुकाबला जबरदस्त होने वाला है क्योंकि भारतीय टीम लगातार 4 मैच जीतकर शानदार फॉर्म में है। वहीं, पाकिस्तान भी 4 में से 2 मैच जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर चुकी है...

हुलुनबुइर,13 सितम्बर 2024। भारत और पाकिस्तान खेल के मैदान में जब भी आमने-सामने होते हैं तो पूरी दुनिया की निगाहें इस मुकाबले पर टिक जाती हैं। भारत-पाकिस्तान मुकाबला दुनिया में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले मैचों में से एक है क्योंकि इसमें रोमांच अपने चरम पर होता है। यही वजह है कि दोनों देशों के फैंस इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार करते हैं। एक बार फिर ये मौका आ चुका है जब दोनों देशों के बीच खेल के मैदान पर जबरदस्त टक्कर देखने को मिलेगी।दरअसल, चीन में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारत और पाकिस्तान भी शिरकत कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट का 8 सितंबर से आगाज हुआ था जिसमें मुकाबलें राउंड रॉबिन आधार पर खेले जा रहे है। इस टूर्नामेंट में अब बारी भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत की है। भारत लगातार 4 मैच जीतकर सेमीफाइनल का टिकट पहले ही हासिल कर चुका है। भारत ने अपने पहले मैच में चीन को 3-0 और फिर जापान को 5-1 से करारी शिकस्त दी थी। इसके बाद अपने तीसरे मैच में मलेशिया को 8-1 से रौंदा था। अपने चौथे मुकाबलें में भारत ने साउथ कोरिया को 3-1 से मात दी। अब भारत अपने 5वें मैच में पाकिस्तान से भिड़ने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

दूसरी तरफ, पाकिस्तान अपने 4 मुकाबलों में से 2 जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहा है। अब पाकिस्तान राउंड रॉबिन में अपना आखिरी मुकाबला भारत के खिलाफ खेलने उतरेंगी जिसका दोनों ही देशों के फैंस को लंबे समय से इंतजार था। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला चीन के हुलुनबुइर में खेला जाएगा। ये हाई वोल्टेज मुकाबला 14 सितंबर को दोपहर 1:15 बजे से खेला जाएगा। इस मैच का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स टेन 1 और टेन 1 एचडी चैनलों पर किया जाएगा। फैंस इस मैच को लाइव सोनीलिव एप और वेबसाइट पर भी देख पाएंगे।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारतीय टीम

भारत

गोलकीपरः कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा

डिफेंडरः जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जुगराज सिंह, संजय, सुमित

मिडफील्डरः राज कुमार पाल, नीलकंठ शर्मा, विवेक सागर प्रसाद (उपकप्तान), मनप्रीत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन

फॉरवर्डः अभिषेक, सुखजीत सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, उत्तम सिंह, गुरजोत सिंह।

1 बिलियन के आंकड़े के साथ रोनाल्डो ने रचा इतिहास

» फैंस के दम पर हासिल किया बड़ा मुकाम

मेलबर्न,13 सितम्बर 2024। मशहूर फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने खेल की दुनिया में एक नया कीर्तिमान रच दिया है। रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर एक बिलियन यानी एक अरब फॉलोअर्स का आंकड़ा का छू लिया है। रोनाल्डो एक अरब फॉलोअर्स वाले दुनिया के पहले एथलीट बन गए हैं। अल नासर क्लब के स्ट्राइकर रोनाल्डो ने हाल ही में अपने करियर का 900 वां गोल दागा था और फैंस का भरपूर सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा किया था। यही वजह है कि अब रोनाल्डो ने फॉलोअर्स की संख्या के मामलें में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। रोनाल्डो के इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुल मिलाकर 1 अरब से

ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं। वह ये बड़ा मुकाम हासिल करने वाले दुनिया के पहले एथलीट ही नहीं बल्कि पहले व्यक्ति भी बन गए हैं।

फैंस का अदा किया शुक्रिया

रोनाल्डो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 1 बिलियन फॉलोअर्स की जानकारी फैंस के साथ शेयर की। रोनाल्डो ने लिखा- हमने इतिहास रच दिया है। 1 बिलियन फॉलोअर्स! यह सिर्फ़ एक संख्या नहीं है-यह खेल और उससे परे साझा जुनून, प्रेरणा और प्यार का सबूत है। अपना आभार व्यक्त करते हुए रोनाल्डो ने कहा कि मदीरा की गलियों से लेकर दुनिया के सबसे बड़े मंचों तक उन्होंने हमेशा अपने परिवार और आपके लिए खेला है और अब उनमें से 1 बिलियन लोग एक साथ खड़े हैं। आप हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं, सभी उतार-चढ़ावों के दौरान। यह यात्रा हमारी यात्रा है, और साथ मिलकर हमने दिखाया है कि हम जो हासिल कर सकते हैं उसकी कोई सीमा नहीं है। रोनाल्डो ने आगे लिखा- मुझ पर विश्वास करने, अपना समर्थन देने और मेरे जीवन का हिस्सा बनने के लिए आपका धन्यवाद। अभी सबसे अच्छा आना बाकी है, और हम आगे बढ़ते रहेंगे, जीतते रहेंगे और साथ मिलकर इतिहास बनाते रहेंगे।

चेन्नई में लगा टीम इंडिया के खिलाड़ियों का जमावड़ा

विराट कोहली सीधा लंदन से पहुंचे

चेन्नई,13 सितम्बर 2024। बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेटर चेन्नई पहुंचने लगे हैं। 19 सितंबर से चेन्नई में टेस्ट सीरीज का आगाज होगा जिससे पहले यहां टीम इंडिया का ट्रेनिंग कैम्प भी लगना है। इसके लिए ऋषभ पंत, केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ी चेन्नई पहुंच गए हैं। विराट कोहली सीधा लंदन से आज सुबह 4 बजे चेन्नई एयरपोर्ट पर पहुंचे जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

स्टार खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत और केएल राहुल को एयरपोर्ट पर टीम बस में चढ़ते देखा गया। वहीं, विराट कोहली भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एयरपोर्ट से बाहर निकलते नजर आए। इस सीरीज के पहले टेस्ट मैच के लिए बीसीसीआई पहले ही भारतीय टीम का ऐलान कर चुका है जिसमें 16 खिलाड़ियों को जगह दी गई है। बांग्लादेश इस सीरीज में पाकिस्तान पर 2-0 की ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद उतरेगा जबकि इस साल की शुरुआत में जनवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में 4-1 से हराने के बाद यह टीम इंडिया का पहला टेस्ट मैच होगा।

टेस्ट में कोहली की वापसी

विराट कोहली इस साल जनवरी में साउथ अफ्रीका दौरे के बाद पहली बार टेस्ट टीम में वापसी करेंगे। वह अपने बेटे अकाय के जन्म के कारण इंग्लैंड के खिलाफ भारत की घरेलू टेस्ट सीरीज में नहीं खेले थे। ऐसे में अब कोहली के पास रेड बॉल क्रिकेट में अपनी धाक जमाने का शानदार मौका होगा। इस साल कोहली की फॉर्म कुछ खास नहीं रही है। टी 20 वर्ल्ड कप में भी कोहली संघर्ष करते नजर आए थे। श्रीलंका दौरे पर भी उनके बल्ले से रन नहीं निकले थे।

विराट के अलावा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी चेन्नई पहुंच चुके हैं। रोहित का एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए का वीडियो सामने आया है। वीडियो में कप्तान कड़ी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

भारत दौरे 2024 के लिए बांग्लादेश टेस्ट टीमः नजमुल शांतो (कप्तान), शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी मिराज, जैकर अली अनिक, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, नाहिद राणा, तैजुल इस्लाम, महमूदुल हसन जॉय, नईम हसन, खालिद अहमद।

ग्रेटर नोएडा में खत्म हुआ अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड टेस्ट मैच का ड्रामा

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 8 वीं बार हुआ ऐसा

ग्रेटर नोएडा ,13 सितम्बर 2024। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड एकमात्र टेस्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, ग्रेटर नोएडा में एकमात्र टेस्ट को लेकर जारी ड्रामा अब खत्म हो गया है। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 9 सितंबर से टेस्ट मैच का आगाज होना था लेकिन मैदान गीला होने के कारण और फिर झमाझम बारिश ने पूरे मैच पर पानी फेर दिया है। पहले ही दिन से अफगान और भारतीय फैंस ने खेल शुरू होने का बेसब्री से इंतजार किया लेकिन बारिश के कारण पूरे मैच में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। यहां तक कि मैच में टॉस भी नहीं हो पाया। अब मैच ऑफिशियल्स ने 5वें दिन का खेल भी रद्द करने का फैसला किया है। खबर के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा में अभी भी बारिश हो रही है और लगातार बारिश के कारण अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट के 5वें और अंतिम दिन का खेल भी मैच ऑफिशियल्स ने रद्द कर दिया है। इस मैच के बारिश में धुलने से टेस्ट क्रिकेट में नया इतिहास बन गया है।

टेस्ट क्रिकेट में घटी अनोखी घटना

दरअसल, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 8वीं बार ऐसा हुआ है जब किसी टेस्ट मैच को बिना कोई गेंद फेंके रद्द कर दिया गया है। टेस्ट क्रिकेट में 26 साल बाद पहली बार ऐसा देखने को मिला है। आखिरी ऐसा टेस्ट मैच 1998 में डुनेडिन के कैरिसब्रूक में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था जब टेस्ट मैच में एक भी गेंद का खेल नहीं हो सका था। साल 1890 में पहली बार ऐसा हुआ था जब टेस्ट में एक भी गेंद नहीं डाली जा सकी थी और अब साल 1998 के बाद ये अनोखी घटना देखने को मिली है ।

आईपीएल रिटेंशन पॉलिसी में होगा बड़ा बदलाव

मेलबर्न,13 सितम्बर 2024। आईपीएल 2025 का सीजन अगले साल अप्रैल में खेला जाएगा। इससे पहले जिस बात का सबसे ज्यादा इंतजार किया जा रहा है, वो है रिटेंशन पॉलिसी। पहले इस तरह की खबरें सामने आई थीं कि अगस्त के आखिर तक रिटेंशन पॉलिसी जारी कर दी जाएगी। लेकिन अब इसे कुछ और दिनों के लिए टाल दिया गया है। इस बीच जानकारी मिली है कि इस बार बीसीसीआई अनकैप्ड खिलाड़ियों को लेकर कुछ खास ऐलान कर सकता है, जो इससे पहले कभी नहीं हुआ है। इससे कुछ टीमों को सीधे सीधे फायदा मिल सकता है। लेकिन फिलहाल इसके लिए इंतजार करना होगा।

आईपीएल रिटेंशन पॉलिसी इस महीने के आखिर में आने की उम्मीद

आईपीएल की रिटेंशन पॉलिसी अगस्त के आखिर तक आने की बात सामने आई थी। इससे पहले जब बीसीसीआई ने सभी टीम ओनर्स को मीटिंग के लिए बुलाया और उनकी राय जानी तो काफी गहमा गहमी रही। ऐसा इसलिए क्योंकि हर टीम की अपनी अलग बात थी। कुछ टीमें ज्यादा रिटेंशन चाहती हैं तो कुछ कम। ऐसे में बात नहीं बन पाई। अब क्रिकबज की रिपोर्ट से पता चला है कि नई रिटेंशन पॉलिस ने दस दिन से लेकर दो सप्ताह तक का वक्त लग सकता है। यानी कुल मिलाकर देखें तो सितंबर के आखिर तक नई पॉलिसी सामने आ सकती है, जिससे पता लगेगा कि टीमें नए सीजन के ऑक्शन से पहले कितने खिलाड़ी रिटेन कर सकती हैं। 29 सितंबर को बीसीसीआई की एक एजीएम भी है। हालांकि इससे आईपीएल का कोई सीधा लेना देना तो नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि इसी के आसपास नई रिटेंशन पॉलिसी आ सकती है।

मशहूर सिंगर गुरुचरण का हुआ निधन

दिग्गज तमिल फिल्म निर्माता दिली बाबू की मौत के बाद अब एक और दुखद खबर साउथ इंडस्ट्री से सामने आई है। खबर है कि तेलुगु म्यूजिक इंडस्ट्री के मशहूर गायक गुरुचरण का गुरुवार को 77 साल की उम्र में निधन हो गया। गुरुचरण की मौत 12 सितंबर की सुबह हुई है। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री और म्यूजिक इंडस्ट्री उनके अचानक निधन से सदमे में है। गीतकार गुरुचरण को तेलुगु सिनेमा में उनके सदाबहार गीतों के लिए जाना जाता था। अपने करियर में, उन्होंने मोहन बाबू जैसे अभिनेताओं के लिए गीत लिखे। उनके पार्थिव शरीर को उनके आवास पर लाया गया है। गीतकार गुरुचरण को उम्र संबंधित बीमारियों के कारण हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था और कई महीनों से उनका इलाज चल रहा था।

अपने प्रिय मित्र के निधन से दुखी अभिनेता मोहन बाबू ने अपने एक्स हैंडल पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा, मैं गुरुचरण को तब जानता था जब वह प्रसिद्ध लेखक अत्रेय के लिए सहायक लेखक के रूप में काम कर रहे थे। उन्होंने मेरे बैनर श्रीलक्ष्मी प्रसन्ना पिक्चर्स के तहत लगभग 10 फिल्मों के लिए गीतकार के रूप में काम किया। उन्होंने आगे कहा, अल्लुदुगारु, असेंबली राउडी, राउडीगरी पेल्लम, ब्रह्मा आदि फिल्मों के लिए उन्होंने जो भी गीत लिखे, वे अद्भुत हैं। उनकी असामयिक मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए, मैं ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति और उनके परिवार को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। मैं दूसरे देश में हूं और उन्हें नहीं देख सकता, मुझे खेद है। ओम शांति।

गुरुचरण ने कुंती कुमारी, मुद्दबंती पुवुलो, अल्लुदुगारू और कई अन्य गानों के बोल लिखे हैं। उन्होंने तेलुगु भाषा में 200 से ज्यादा गानों के बोल लिखे हैं। दूसरी ओर दिग्गज अभिनेता मोहन बाबू ने 70 के दशक के मध्य में शोबिज में अपना करियर भी शुरू किया था। मशहूर अभिनेता बनने से पहले उन्होंने सहायक निर्देशक के तौर पर भी काम किया था। उनका असली नाम मंचू भक्तवत्सलम नायडू है, लेकिन अपनी फिल्म स्वर्गम नरकम की सफलता के बाद उन्होंने अपना स्टेज नाम मोहन बाबू रख लिया। अब तक उन्होंने कथित तौर पर 500 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। इसके बाद, वह विष्णु मंचू अभिनीत फिल्म कन्नप्पा में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

सेक्टर 36 रिव्यूः खौफनाक सच्ची घटना दिखाने में हिट है विक्रांत मैसी और दीपक डोबरियाल की जोड़ी

सेक्टर 36 दर्शकों को एक ऐसी खौफनाक दुनिया में ले जाती है, जहां वास्तविक जीवन का आतंक सिनेमाई रहस्य से मिलता है। वास्तविक घटनाओं से प्रेरित, यह क्राइम थ्रिलर प्रामाणिकता को मनोरंजक कहानी कहने के साथ बेहतरीन ढंग से फिल्माई गई है, ताकि एक ऐसी कहानी बनाई जा सके जो जितनी आकर्षक है, उतनी ही डरावनी भी है। एक शांत, समृद्ध पड़ोस की पृष्ठभूमि पर आधारित, %सेक्टर 36 नोएडा में हुई वास्तविक हत्याओं से प्रेरित एक भयावह कहानी को उजागर करती है, जिसे निठारी हत्याकांड के रूप में भी जाना जाता है। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि निठारी गांव नोएडा के केंद्र में स्थित है, जो देश की राजधानी दिल्ली से लगभग 20 किलोमीटर दूर है। यह शहर उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों से आए गरीब प्रवासियों से आबाद है और दिसंबर 2006 में हुए चौंकाने वाले खुलासों के बिना इस पर कभी ध्यान नहीं जाता। विक्रांत मैसी द्वारा निभाए गए प्रेम सिंह और दीपक डोबरियाल द्वारा निभाए गए इंस्पेक्टर राम चरण पांडे के माध्यम से निठारी हत्याकांड की परेशान करने वाली दुनिया की कहानी में सेक्टर 36 ले जाती है।

कहानी

नेटफ्लिक्स की हालिया रिलीज सेक्टर 36 प्रेम सिंह के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक अमीर घर में हाउसकीपर के तौर पर काम करता है, लेकिन उसके शांत बाहरी व्यक्तित्व के पीछे एक खौफनाक रहस्य छिपा है, वह एक क्रूर सीरियल किलर है जो बच्चों का शिकार करता है। सिंह का किरदार अतीत से जुड़ा है। कहानी एक ऐसे अंधेरे की ओर जाती है जहां भयानक कृत्य के बाद भी कोई पश्चाताप नहीं है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, यह पता चलता है कि प्रेम सिंह अपने मालिक आकाश खुराना का भेद छिपा रहा है। कहानी इस तरह से आगे बढ़ती हैं कि आकाश खुराना अपनी दुनिया में रहने वाला शख्स है। भयावह रहस्यों को छिपाते हुए वो एक अलग जीवन जी रहा है। भ्रष्टाचार और नैतिक पतन की कहानी हिलाने वाली है। प्रेम सिंह और खुराना की जोड़ी क्या-क्या गुल खिलाएगी ये देखने लायक है।

दीपक डोबरियाल द्वारा अभिनीत इंस्पेक्टर राम चरण पांडे स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर हैं। लापता बच्चों के मामलों को शुरू में खारिज करने वाले पांडे की उदासीनता को तब चुनौती मिलती है जब उनकी बेटी लगभग शिकार बन जाती है। यह व्यक्तिगत जुड़ाव उन्हें न्याय की सच्ची खोज में प्रेरित करता है, जिससे कहानी में भावनात्मक गहराई और तात्कालिकता जुड़ती है।

निर्देशन

सेक्टर 36 में आदित्य निंबालकर का निर्देशन उनके कौशल और दूरदर्शिता का प्रमाण है। अपने निर्देशन की शुरुआत करते हुए, निंबालकर ने सस्पेंस और नैतिक अस्पष्टता से भरी एक जटिल कथा को कुशलता से बुना है। उनका निर्देशन सुनिश्चित करता है कि फिल्म आत्मनिरीक्षण और भावनात्मक गहराई के क्षणों की अनुमति देते हुए एक अथक गति बनाए रखे। स्त्री और मुंज्या जैसी फिल्मों के साथ अभिनव और प्रभावशाली कहानी कहने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाने वाले, मैडॉक फिल्म्स ने एक बार फिर एक विचारोत्तेजक फिल्म दी है जो सीमाओं को लांघती है और चुनौतीपूर्ण विषयों की खोज करती है।सेक्टर 36 के तकनीकी घटक इसके प्रभाव को और भी बढ़ा देते हैं। फिल्म के उदास स्वर को साउंड डिज़ाइन और न्यूनतम संगीत संगत द्वारा बढ़ाया गया है, जो कैमरे द्वारा कैप्चर किए गए एक भयानक परिदृश्य का निर्माण करते हैं। साथ में ये घटक एक भयावह दृश्य का अनुभव देता है, फिल्म की कठोर वास्तविकता में पूरी तरह से डुबो देता है।

अपराधियों के मन में कानून का भय हो:साय

» पीड़ितों को त्वरित मिले न्याय:सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर,13 सितम्बर 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि अपराधियों के मन में कानून का भय हो, पीड़ितों को त्वरित न्याय मिले। आम जनता में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास कायम रहे। बेवजह किसी नागरिक को परेशान न किया जाए। पुलिस का व्यवहार आम नागरिकों के साथ मित्रवत हो। पुलिस थानों का वातावरण ऐसा हो कि आम नागरिक को पुलिस थानों में प्रवेश करते समय सहयोग की उम्मीद हो। वे आज राजधानी के न्यू-सर्किट हाउस में कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में अपराध पर नियंत्रण के लिए कलेक्टर एवं एसपी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दंड संहिता को बदल कर न्याय संहिता कर दिया है। इसका जमीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पुलिस को इन नए कानूनों के अनुरूप कार्य करने के लिए स्वयं को ढालना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है, और पिछले वर्षों की तुलना में अपराध की संख्या में कमी आई है।

राज्य में नए सिरे से सोशल पुलिसिंग को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नए सिरे से सोशल पुलिसिंग को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है, इससे अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी। लोगों को जागरूक करना और उन्हें इस बात का भरोसा दिलाना होगा कि पुलिस उनके साथ है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में गौ-तस्करी व नशाखोरी एक बहुत बड़ी समस्या है, इस पर कड़ाई से नियंत्रण सुनिश्चित करते हुए ऐसे मामलों में एंड टू एंड कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के परिवहन एवं बिक्री, जुआ, सट्टा एवं गांजा की तस्करी को रोकने के लिए अभियान चलाकर दोषियों पर विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित करें। समाज में अशांति फैलाने वालों, अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखें और उनके खिलाफ त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। हत्या जैसे मामले में कार्रवाई में देरी नहीं होनी चाहिए तथा ऐसे केस में प्राथमिकता से त्वरित गति से कार्यवाही सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला बदर और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई रुकनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधात्मक मामलों में देरी न हो और जिला बदर की कार्रवाई केवल कागजों पर ना हो बल्कि वास्तव में हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध शराब बिक्री की बहुत शिकायत है, जिसमें पुलिस पर संरक्षण के आरोप लगते है, यह बिलकुल नहीं होना चाहिए। अवैध शराब बिक्री पूरी तरह बंद होना चाहिए। कई जगहों में अवैध शराब बिक्री की जांच को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है, इस संबंध में शिकायतें मिलती है कि जांच टीम सही से जांच नहीं कर रही, अधिकारी जांच में उपस्थित नहीं रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान सम्मान निधि में धोखाधड़ी के मामले भी सामने आ रहे हैं, जिन पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिलासपुर पुलिस रेंज में अपराधों में कमी आई है, लेकिन इससे संतुष्ट नहीं होते हुए पुलिस की सक्रियता का स्तर और बेहतर करने की जरूरत है। इसी प्रकार उन्होंने कहा कि दुर्ग पुलिस रेंज को और ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि हत्या और डकैती के मामले 6 महीने में भी नहीं सुलझ पा रहे हैं, ये उचित नहीं है। कई मामलों में आरोपी फरार है, इस पर जल्दी कार्रवाई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राजनांदगांव पुलिस रेंज में कुछ जगह अच्छे काम हुए हैं, त्रिनेत्र एप और चिटफंड मामलों में अच्छी कार्रवाई हुई है लेकिन सिर्फ इतना पर्याप्त नहीं है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आम लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और सीट-बेल्ट, हेलमेट पहनने की समझाइश दी जाए। उन्होंने बैठक में आने वाले दिनों में पुलिसिंग को और अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी व उत्तरदायी बनाने की दिशा में किए जा सकने वाले उपायों पर चर्चा की। भूमाफियों पर रखें कड़ी नजर मुख्यमंत्री साय ने रायपुर रेंज की समीक्षा करते हुए राजधानी में पुलिसिंग की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि रायपुर प्रदेश की राजधानी है और यहां की पुलिसिंग का सर्वोत्तम स्तर पर होना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने रायपुर में भूमाफियाओं द्वारा शासकीय और आम नागरिकों की जमीन पर कब्जे की शिकायतों पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पुलिस और राजस्व विभाग मिलकर इस समस्या पर कड़ी नजर रखें और तुरंत कार्रवाई करें। नशे के खिलाफ अभियान चलाएं मुख्यमंत्री ने कहा कि नशीली दवाइयों की बिक्री पर तत्काल सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को इस अवैध व्यापार के इकोसिस्टम को तोड़ना होगा और अपराध की जड़ तक पहुंचकर इसे समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा कि रायपुर में स्कूल और कॉलेजों में नशे के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है, ताकि युवाओं को इस घातक प्रवृत्ति से बचाया जा सके। राजधानी में रात्रि गश्त करें मुख्यमंत्री ने राजधानी में रात की गश्त को और प्रभावी बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए पुलिस पेट्रोलिंग को लगातार जारी रखने और संगठित अपराधों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कहा कि वे योजना बनाकर अपराध और अपराधियों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाएं ताकि अपराध पर काबू पाया जा सके और कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर हो सके।

पुलिस के हाथ लोहे की तरह और दिल मोम जैसा होना चाहिए...

सभी एसपी को मुख्यमंत्री साय ने दी सलाह...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के अंतिम सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होने देश में अपराधों की रोकथाम के लिए बेसिक पुलिसिंग और कानून व्यवस्था पर लंबी समीक्षा के बाद महत्वपूर्ण निर्देश दिए और कहा, कहा - कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस में दो दिनों तक बहुत सार्थक चर्चा हुई है, इसका रिजल्ट दिखना चाहिए। आगे मुख्यमंत्री ने कहा , पुलिस के हाथ लोहे की तरह और दिल मोम जैसा होना चाहिए, छत्तीसगढ़ में शांति-सुरक्षा स्थापित करने का संकल्प लेकर जाएं अधिकारी, तभी होगा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण, शासन के लिए कलेक्टर-एसपी आंख, कान और हाथ, कानून व्यवस्था दुरुस्त करने में आपकी सबसे अहम भूमिका, अवैध शराब, जुआ-सट्टा, नशाखोरी पर हो जीरो टॉलरेंस, शिकायतें मिलने पर एसपी जिम्मेदार होंगे। विधि की मंशा के अनुरुप लोगों को न्याय दिलाने के लिए काम हो।

सरगुजा रेंज की समीक्षा करते हुए सीएम साय ने सीतापुर मर्डर केस पर जताई नाराजगी

कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अन्य रेंज के साथ सरगुजा पुलिस रेंज की समीक्षा की। उन्होंने सीतापुर मर्डर केस को लेकर अप्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि सरगुजा पुलिस रेंज चार राज्यों से जुड़ा है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण अपराधों के नियंत्रण के लिए सतत निगरानी हो।

कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम साय ने कहा कि जशपुर में मानव तस्करी रोकने की दिशा में पुलिस ने अच्छा काम किया है। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन और पुलिस की सराहना की. इसके साथ ही उन्होंने जशपुर जिले में ओडिशा से लगने वाले सीमावर्ती क्षेत्रों में 24 घंटे निगरानी, नशीले पदार्थों की तस्करी पर हो कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में अवरोध डालने वाले अराजक तत्वों को पुलिस चिन्हांकित कर उनकी गतिविधियों पर नजर रखे।

इसके पहले कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के दौरान रायपुर पुलिस रेंज की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निर्देश दिया कि रायपुर प्रदेश की राजधानी है, यहां की पुलिसिंग बेस्ट हो ये बहुत ज़रूरी है. पिछली कुछ घटनाओं से राजधानी की छवि धूमिल हुई है। रायपुर में भूमाफियों द्वारा शासकीय और आम लोगों की जमीन पर कब्जा की बहुत शिकायतें हैं, राजस्व और पुलिस मिल कर इस पर नियंत्रण करें।

मुख्यमंत्री ने इसके साथ कहा कि राजधानी में रात में गश्त बहुत जरूरी है। यहां नशीली दवाइयों की बिक्री पर कार्रवाई बहुत जरूरी है, इनके इको सिस्टम को तोड़िए और अपराध के जड़ में जाइए। नशे के खिलाफ स्कूल कॉलेज में अभियान चलाकर जागरूकता लाने की जरूरत है। रायपुर में पुलिस पेट्रोलिंग बराबर हो और संगठित अपराध पर लगातार कार्रवाई होनी चाहिए।

राजनांदगांव पुलिस रेंज की चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने अवैध शराब बिक्री की शिकायत पर नाराजगी जताई। इसके साथ ही बिक्री को पुलिस का संरक्षण मिलने पर भी चर्चा की. इसके साथ मुख्यमंत्री ने त्रिनेत्र एप और चिटफंड मामलों में और कार्यवाही की जरूरत बताई। साय ने राजनांदगाँव पुलिस रेंज में काम में कोताही को लेकर साफ शब्दों में शिकायत पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में अधिकारी उपस्थित नहीं रहते है, ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

दुर्ग पुलिस रेंज की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस के कामकाज पर नाराजगी जताते हुए और ज्यादा मेहनत करने की जरूरत बताई. उन्होंने कहा कि हत्या और डकैती के मामले 6 महीने में भी नहीं सुलझ पा रहे हैं, ये सही नहीं है। कई मामलों में आरोपी फरार है, इस पर जल्दी कार्रवाई होनी चाहिए।

विष्णु देव साय ने कहा कि किसान सम्मान निधि में धोखाधड़ी का मामला सामने आया था, ऐसे गड़बड़ी भविष्य में दोबारा नहीं होनी चाहिए। प्रतिबंधात्मक मामलों में देरी न हो और जिला बदर की कार्रवाई केवल कागजों पर ना हो, बल्कि वास्तव में हो. नए कानून की जानकारी को बेहतर तरीके से स्वीकार करें और जरूरत के अनुसार ट्रेनिंग कर खुद को अपडेट करते रहें।

वहीं बिलासपुर पुलिस रेंज के कामकाज की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बिलासपुर रेंज में अपराधों में कमी आई है, लेकिन इतने में संतोष नहीं करना है। हमारी सरकार सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में अपराध में कमी आई है, लेकिन जिला बदर और प्रतिबंधात्मक संबधी कार्रवाई रुकनी नही चाहिए। हत्या जैसे मामले में कार्रवाई में देरी नहीं होनी चाहिए, ऐसे केस जल्दी सॉल्व करें।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

थोक में बदले गए तहसीलदार

राज्य सरकार ने जारी किया आदेश

रायपुर,13 सितम्बर 2024(ए)। राज्य सरकार ने एक साथ थोक में तहसीलदारो का तबादला आदेश जारी किया है। इस लिस्ट में कुछ चर्चित नाम है जिन्हे बस्तर और जशपुर इलाके की रवानगी दी गई है।

कानफोड़ू डीजे पर रोक लगाने पर हाईकोर्ट ने सरकार को जवाब पेस करने की दी मोहलत

बिलासपुर,13 सितंबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्वतः ही संज्ञान लेते हुए कान फोड़ू डीजे पर रोक लगाने जनहित याचिका की सुनवाई शुरू की। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने राज्य शासन से समुचित प्रबंधन को लेकर जानकारी मांगी। इस पर महाधिवक्ता प्रफुल्ल भारत ने बताया कि हाल ही में अफसरों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें जिले के एसपी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। महाधिवक्ता ने विस्तार से जवाब देने के लिए कोर्ट से समय मांगी। कोर्ट ने राज्य शासन को जवाब पेश करने के लिए समय दिया है।

एफएसएसएआई ने राज्य सरकार को किया अलर्ट

मिलावट खोरों की खैर नहीं

रायपुर,13 सितंबर 2024 (ए)। खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता प्राधिकरण (एफएसएसएआई) राज्य सरकार को एक अलर्ट जारी किया है। इसमें खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग, खाद्य एवं औषधि विभाग से कहा है कि इस त्यौहारी सीजन में मिठाई, दूध और दूध से बने पनीर, दही, घी खोवा आदि की गुणवत्ता, मिलावट जांचने अभियान चलाया जाए।

रेलवे स्टेशन पहुंची वंदे भारत एक्सप्रेस

» कितने मिनट का रहेगा स्टॉपेज

महासमुंद,13 सितम्बर 2024 (ए)। महासमुंद से रायपुर-दुर्ग की ओर और महासमुंद से विशाखापट्टनम की ओर जाने वाले यात्रियों को अब वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवा मिलने जा रही है। वंदे भारत एक्सप्रेस की ट्रेन आज अचानक महासमुंद रेलवे स्टेशन पहुंची। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को देखकर यात्री काफी खुश हुए। क्योंकि यह इस रूट की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन है।

दरअसल रेलवे के द्वारा आज दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस का ट्रायल किया गया। दुर्ग से ट्रेन की शुरूआत हुई, जो निर्धारित स्टॉपेज में पहुंचकर रूट जांच करते दिखे। ट्रायल के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस में डीआरएम रायपुर, सीनियर डीएमई और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि 16 सितंबर से दुर्ग-विशाखापट्टनम के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। वंदे भारत का उद्घाटन पहले 15 सितंबर को होने वाला था, जिसके स्थान पर समय में बदलाव कर अब 16 सितंबर को इसका शुभारंभ होगा। 16 सितंबर की शाम 4:15 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली झंडा दिखाकर रायपुर से रवाना करेंगे और यह शाम 4:45 बजे महासमुंद पहुंचेगी। महासमुंद में इसका 5 मिनट का स्टॉपेज होगा। यह शाम 4:50 मिनट पर महासमुंद से रवाना हो जायेगी। यह ट्रेन रात 12:20 में विशाखापट्टनम पहुंचेगी।

ईडी ने की सौम्या चौरसिया की 50 से अधिक स्थानों की समाप्ति अटैच

भिलाई ,13 सितंबर 2024 (ए)। प्रदेश में ईडी ने सौम्या चौरसिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 50 से ज्यादा प्रॉपर्टी अटैच कर दिया है। उसके घर पर श्वष्ठ का बोर्ड लगा हुआ है। बताया जा रहा है कि अटैच की गई संपत्तियों में सौम्या चौरसिया का भिलाई स्थित सूर्या अपार्टमेंट का निवास भी है।

पिछली कांग्रेस सरकार में ताकतवर और प्रभावशाली अफसर रहीं सौम्या चौरसिया पूर्व ष्टरू भूपेश बघेल की डिप्टी सेक्रेटरी भी रह चुकी हैं। उन्हें कोयला घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने 2 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वे सेंट्रल जेल रायपुर में बंद हैं।

ईडी ने छत्तीसगढ़ में कथित कोयला घोटाले में 500 करोड़ रुपए की अवैध उगाही को लेकर जांच शुरू की थी। जिसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया था। वसूली के लिए नियमों में बदलाव किया गया था। इस लेवी से हासिल राशि से चल-अचल संपत्तियां अर्जित की गईं, जिनमें कई बेनामी भी हैं। ईडी ने सौम्या चौरसिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 50 से ज्यादा प्रॉपर्टी अटैच कर बोर्ड लगा दिया है। ईडी ने इस मामले में सूर्यकांत तिवारी, कोल वॉशरी संचालक सुनील अग्रवाल, द्घस् समीर बिश्नोई, द्घस् रानू साहू, सौम्या चौरसिया समेत अन्य को अलग-अलग तारीखों पर गिरफ्तार किया था। श्वष्ठ का आरोप है कि ये स्कैम करीब 500 करोड़ रुपए का था।

महिला डॉक्टर के साथ हुआ अश्लील हरकत

बिलासपुर,13 सितंबर 2024 (ए)। सिम्स की 2019 बैच की 40 महिला इंटर्न डाक्टरों ने मिलकर दस जुलाई को डीएमई के साथ बिलासपुर कलेक्टर से शिकायत की थी। इसमें उल्लेख था कि डाक्टर का हमारे प्रति आचरण ठीक नहीं है, वे बेड टच करते हुए हमेशा से छेड़छाड़ अश्लील हरकत की घटना को अंजाम देते आ रहे हैं। वहीं एक इंटर्न महिला डाक्टर का कहना था कि वे विशेष रूप से मुझे परेशान करते आ रहे थे, जिसका बार-बार विरोध करने के बाद डा. ओपी राज नहीं माने और मेरे साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम देते आ रहे थे। अंततः विवश होकर इसकी शिकायत करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इसके बाद सिम्स प्रबंधन ने जांच टीम बनाई थी। इसकी रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों पक्ष से ब्यान लिया गया है, लेकिन अभी तक इसकी सत्यता सामने नहीं है, ऐसे में अभी भी इस मामले में जांच चल रही है। यह बात भी सामने आई है कि इंटर्न महिला डाक्टरों पर दबाव बनाया जा रहा था कि वे मामले को तुल न दें। इससे सभी डरी हुई थीं और मामला दब गया था। अब इस मामले को डीएमई ने संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी के बाद डीन ने उक्त डाक्टर का अंबिकापुर मेडिकल कालेज तबादला कर दिया है।

सीआइएसएफ जवानों ने नक्सलियों के लगाए बम को किया नष्ट

दंतेवाड़ा,13 सितंबर 2024 (ए)। थाना किरंदुल क्षेत्रा में सीआइएसएफ की गश्त टीम ने नक्सलियों द्वारा लगाए गए तीन किलोग्राम वजनी प्रेशर आइडी का पता लगाकर उसे निष्क्रिय कर दिया। इससे फोर्स को नुकसान पहुंचाने का नक्सल प्रयास विफल हो गया। जानकारी के अनुसार सीआइएसएफ का गश्ती दल अपने रुटीन गश्त पर निकला था इसी दौरान लोहागांव जाने वाले रास्ते पर जमीन में दबा हुआ इलेक्ट्रिक वायर दिखाई दिया। इसकी सूचना थाना प्रभारी किरंदुल को दी गई। थाना प्रभारी किरंदुल ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। उसके बाद बम डिस्पोजल स्क्वाड टीम दंतेवाड़ा ने मौके पर जाकर नक्सलियों द्वारा लगाए आईईडी को सुरक्षित तरीके से सर्चिंग की, जिससे तीन किलोग्राम वजनी प्रेशर आईईडी बरामद हुआ, जिसे बीडीएस ने सतर्कतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया।

राज्य शासन ने पंजीयन विभाग में किया बड़ा फेरबदल

राज्य शासन ने पंजीयन विभाग में किया उप पंजीयकों का हुआ तबादला

रायपुर,13 सितंबर 2024 (ए)। राज्य सरकार ने पंजीयन विभाग में बड़ी संख्या में उप पंजीयक और पंजीयक संवर्ग के अधिकारियों-कर्माचारियों का तबादला किया है। किसके लिए राज्य शासन की तरफ से ट्रांसफर आदेश जारी कर दिए हैं गए। सरकार ने सभी को तीन दिन के भीतर अपना कार्यभार संभालने की बात कही है।

नक्सलियों की मदद करने पर गिरफ्तार हुए सरपंच

बीजापुर,13 सितंबर 2024 (ए)। जिले से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। यहां पुलिस ने तोयनार सरपंच विजय पाल शाह और येमैया जंगम को गिरफ्तार किया है। दोनों सरपंचों पर नक्सल संलिप्तता और भाजपा नेता तिरुपति की हत्या में शामिल होने का आरोप लगा है। वहीं इस मामले में कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा ननेताओं पर निशाना साधा है। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि, भाजपा नेताओं के इशारे पर दोनों सरपंचों को गिरफ्तार किया गया है। भाजपा नेता तिरुपति नक्सल हमले में घायल हुए थे और तोयनार सरपंच विजय पाल शाह ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया था। विधायक मंडावी ने आगे कहा कि, तोयनार सरपंच विजय पाल शाह को 6 महीने बाद भाजपा नेता तिरुपति की हत्या में आरोपी बनाना एक षड्यंत्र का हिस्सा हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)